रांची व बोकारो से एक साथ प्रकाशित

झारखंड न्यूजलाइन

सांध्य दैनिक

twitter @JNL_News2007
Facebook Jharkhand Newsline
Instagram jnl_news_2007

रांची । वर्ष : 01 अंक 720 रांची, रविवार 18 मई 2025

Epaper : jharkhand.newsline.com

संक्षिप्त समाचार

मिस वर्ल्ड 2025 स्पोर्ट्स चैलेंज में मिस एस्टोनिया ने जीता स्वर्ण, हैदराबाद में रचा इतिहास

हैदराबाद

हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में शनिवार को आयोजित मिस वर्ल्ड 2025 स्पोर्ट्स चैलेंज में मिस एस्टोनिया एलिसे रैंडमा ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह पहली बार है जब एस्टोनिया की किसी प्रतिभागी ने 1999 के बाद मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ एलिसे यूरोप की शीर्ष 10 क्वार्टर-फाइनलिस्ट्स में शामिल हो गई हैं।

इस प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स चैलेंज में विश्वभर की 108 सुंदरियों ने भाग लिया, जिन्हें चार क्षेत्रीय टीमों–अमेरिकाज और कैरिबियन, अफ्रीका, यूरोप, तथा एशिया और ओशिनिया–में बाँटा गया था। प्रतियोगिता में बैडमिंटन नॉकआउट, शॉट पुट, शतरंज, बास्केटबॉल, फुटबॉल पेनल्टी शूटआउट, शटल रन, स्प्रिंट और जुम्बा सत्र जैसे विविध एथलेटिक इवेंट शामिल थे। इस चुनौती का उद्देश्य केवल शारीरिक क्षमता नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य, मानसिक दृढ़ता और टीम भावना का मूल्यांकन करना था।

मिस मार्टीनिक ऑरेलि जोआचिम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रजत पदक प्राप्त किया, जबकि मिस कनाडा एम्मा मॉरिसन ने बैडमिंटन स्पर्धा में शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। त्रिनिदाद और टोबैगो की अन्ना-लीस नैन्टन मामूली अंतर से पदक चूक गईं लेकिन अपने प्रभावशाली प्रदर्शन से दर्शकों और निर्णायकों का ध्यान खींचा।

स्पोर्ट्स चैलेंज, मिस वर्ल्ड की प्रमुख फास्ट-ट्रैक प्रतियोगिताओं में से एक है। इस प्रतियोगिता की विजेता को मिस वर्ल्ड स्पोर्ट्स या स्पोर्ट्सवुमन का खिताब दिया जाता है और वह सीधे टॉप 40 क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश पाती है, जो मिस वर्ल्ड का ताज जीतने की दिशा में एक बड़ा कदम होता है।

एलिसे रैंडमा की इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल एस्टोनिया को गर्व का मौका दिया है, बल्कि उन्होंने खेल के मैदान में आत्मविश्वास, शक्ति और सकारात्मकता की मिसाल पेश की है।

संसद में अमित शाह ने ओवैसी को लेकर कही बात अब सच साबित हुई

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद पर भारत का रुख बताने और पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारतीय डेलिगेशन का गठन सुर्खियों में है। इस टीम में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को भी शामिल किया है। ओवैसी को विपक्ष लगातार बीजेपी की बी टीम बताकर घेरता रहा है, लेकिन अब जब मोदी सरकार ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है, तो बहस छिड़ गई है।

इस बीच सोशल मीडिया पर एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि संसद ओवैसी ने अमित शाह से ही पूछ लिया कि ह्यमैं किसकी टीम का हिस्सा हूं।ह्न उनके इस सवाल को सुनकर लोकसभा में मौजूद सभी लोग हंस पड़ते हैं, फिर अमित शाह इसका हल्के-फुल्के अंजाद में जवाब देते हुए कहते हैं, ऐसा है ओवैसी जी मैं तो चाहता हूं कि आप अपनी स्वयं टीम बनाओह्वअरे वो (विपक्षी) परेशान हैं इसलिए मैं कहता हूं कि आप अपनी टीम बनाओह्व आपके मुद्दे हमेशा ही अलग रहते हैं। अमित शाह ने यह बात संसद में कब कही थी, इसकी तारीख तो नहीं बताई जा सकती है, लेकिन आज टीम मोदी में ओवैसी का नाम शामिल करने के बाद यह क्लिप एक बार फिर वायरल हो रही है। लोग कह रहे हैं कि शाह की बात सच हो गई।

डेयरी उद्योग को मिलेंगे सभी उपकरण, सहकारी यूनिवर्सिटी पर भी विचार : अमित शाह

-केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने अहमदाबाद में सहकारिता महासम्मेलन को संबोधित किया

अहमदाबाद

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के साइंस सिटी में आयोजित गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव यूनियन सम्मेलन में शिरकत की। यहां अपने संबोधन में शाह ने सहकारी समितियों के सशक्तिकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूती देने के लिए सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना पर गंभीरता से विचार कर रही है।

गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने बताया कि वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी शुरूआत भारत से हुई है। उन्होंने कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में सहयोग से समृद्धि का नारा दिया है और गुजरात में इस विचार को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी हम सबकी है। गृहमंत्री ने कहा कि सहकारी

आंदोलन को सफल बनाने के लिए जागरूकता, तकनीकी नवाचार और संगठनों के आपसी सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक सहकारी सदस्य और संस्था का जिला सहकारी बैंक में खाता होना चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि गुजरात को सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनना चाहिए।

डेयरी क्षेत्र के लिए उपकरणों की घोषणा

गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारी संगठनों के माध्यम से डेयरी क्षेत्र को सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराएगी, और इस प्रयोग की शुरूआत गुजरात से की जाएगी।

गुजरात दौरे का शेष कार्यक्रम

कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री मेहसाणा रवाना हुए, जहां वे दो कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद शाम को वापस अहमदाबाद लौटेंगे। अहमदाबाद में वे 1692 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, और शाम 6 बजे कॉर्पोरेशन प्लॉट में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

इससे पहले शाह ने शनिवार को गांधीनगर में 1100 करोड़ रुपये की 78 परियोजनाओं का लोकार्पण किया था।

पाक चौकियों पर भारतीय सेना का करारा जवाबः ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी, सेना बोली- गोली चलाने वालों को मिट्टी में मिला दिया

नई दिल्ली

भारतीय सेना ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी करते हुए स्पष्ट किया कि 10 मई को पाकिस्तान की जिन चौकियों से सीजफायर का उल्लंघन कर भारत की ओर गोलियां चलाई गई थीं, उन्हें जवाबी कार्रवाई में ध्वस्त कर दिया गया है। सेना ने कहा कि हमारी कार्रवाई स्पष्ट और निर्णायक थी – जहां से गोली चली, वहां तबाही छोड़ी।

सेना ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच आज डीजीएमओ स्तर की कोई बातचीत प्रस्तावित नहीं है। हालांकि, 12 मई को हुई बैठक में सीजफायर पर बनी सहमति को लेकर सेना ने कहा है कि इस समझौते की कोई निर्धारित समयसीमा नहीं है और यह आगे भी लागू रहेगा।

विदेश मंत्री के बयान पर राजनीतिक विवाद

इस बीच, विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी सेना और विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण दिया है। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी कि भारत आतंक के ठिकानों पर कार्रवाई करेगा, लेकिन पाकिस्तान ने संवाद से इनकार किया और प्रतिकार की धमकी दी। वहीं, विदेश मंत्रालय ने भी राहुल गांधी के बयान को ह्यभ्रामकह्न बताया और कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ऑपरेशन के बाद की स्थिति पर बयान दिया था, न कि पहले की, जैसा कि दावा किया गया है। इस प्रकार सेना ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह सीमा पर हर हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है, और किसी भी राजनीतिक भ्रम को दूर करने के लिए तथ्यों को सामने लाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री राणे को दिया झटका, 30 एकड़ वनभूमि वापस देने के निर्देश

कहा-भ्रष्टाचार के ऐसे मामले पूरे देश में फैले, सभी राज्य ऐसी डील्स की कराएं जांच

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के कार्यकाल में किए गए एक विवादित भूमि सौदे को अवैध करार दे दिया है। यह फैसला देश की न्यायपालिका की दृढ़ता और संविधान की सर्वोच्चता को दर्शाता है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने सीजेआई पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र की 30 एकड़ वनभूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का निर्देश दिया है।

यह जमीन 1998 में, जब नारायण राणे महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री थे, बिल्डरों को दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस डील को ह्यअवैध और जनहित के खिलाफह्न बताया है। कोर्ट ने न केवल इस सौदे को रद्द किया, बल्कि नेता, बिल्डर और अफसरों की गठजोड़ की ओर भी इशारा किया, जिसे ह्यजनता के विश्वास के साथ विश्वासघातह्न कहा गया। जस्टिस गवई ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार के ऐसे मामले पूरे देश में फैले हैं और सभी राज्यों को इस तरह की डील्स की जांच करनी चाहिए।

कोर्ट ने आदेश में कहा कि ऐसी डील्स सिर्फ विकास के नाम पर सरकारी संपत्तियों की लूट है, जिनका मकसद कुछ खास निजी हितों को फायदा पहुंचाना होता है। इस फैसले से बीजेपी की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति भी कटघरे में आ गई। नारायण राणे फिलहाल केंद्र सरकार में मंत्री हैं, जबकि उनके बेटे नितेश राणे महाराष्ट्र सरकार में मंत्री हैं। राजनीतिक हलकों में इस फैसले के दूरगामी असर की चर्चा हो रही है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि सीजेआई गवई ने राणे को पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ड कर दिया। इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं, जहां लोग इसे भ्रष्टाचार पर न्यायपालिका का सीधा प्रहार बता रहे हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि न्यायपालिका संविधान की रक्षा में अडिग है और किसी भी सियासी दबाव के आगे झुकने वाली नहीं।

चौतरफा घिरा तुर्की मानने को तैयार नहीं, अब कश्मीर मुद्दे पर कर रहा नेतागीरी

नई दिल्ली

दुनिया की तमाम महाशक्तियां कश्मीर मुद्दे पर बात करने से बच रहीं हैं। अमेरिका ने मध्यस्थता की बात कही थी, इस पर भारत ने साफ कह दिया कि बीच में दखल न दें। हमे किसी के मध्यस्थता की जरुरत नहीं है। अब तुर्की कूद रहा है, ये वो देश है जिसे दुनिया के नक्शे में मैग्नीफाई ग्लास से ढूंढना पड़ता है वो मध्यस्थता के सपने देख रहा है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने पहले तो खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया और अब कश्मीर मुद्दे में हस्तक्षेप किया है। ये भारत और पाकिस्तान के बीच का मसला है, जिसे उसे सुलझाना है। अब तुर्की कश्मीर मुद्दे में भी घुस गया है और उसने इस मुद्दे पर मदद के तरीके तलाशने की पेशकश की है। उन्होंने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बातचीत की और कहा कि उन्होंने कश्मीर पर विस्तार से चर्चा की, और नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने में रुचि व्यक्त की। भारत कई बार कह

चुका है कि ये उसका आंतरिक मामला मामला है लेकिन पाकिस्तान ने ट्रंप के बाद अब तुर्की को भी कश्मीर की पंचायत में शामिल करने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान के खुले समर्थन में आने के बाद एर्दोगन ने कश्मीर के मुद्दे पर भी अपनी राय देनी शुरू कर दी है। उन्होंने टिप्पणी की है -हमने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के साथ कश्मीर मुद्दे पर व्यापक बातचीत की और मदद के तरीके तलाशे। मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण पार्टियों को समाधान के करीब ला सकता है और नए सिरे से तनाव को रोकने में मदद कर सकता हैह्न एर्दोगन इस मामले पर सुझाव भी दे रहे हैं और बता रहे हैं कि दोनों पड़ोसी देशों को बातचीत की मेज पर आना चाहिए। एर्दोगन ने एक कदम आगे बढ़कर कश्मीर मुद्दे के मानवाधिकार-आधारित समाधान की मांग की, जिसमें अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी हो। वो इस मुद्दे पर मध्यस्थता का भी प्रस्ताव दे रहे हैं।

भारत हमेशा से कश्मीर को अपना आंतरिक मुद्दा मानता आया है और कभी किसी का हस्तक्षेप नहीं चाहता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं हो सकते और पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए केवल दो मुद्दे बचे हैं झ आतंकवाद और पीओके की भारत में वापसी। बावजूद इसके पाकिस्तान इस मामले पर अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के लिए लामबंदी कर रहा है।

यह पहली बार नहीं है जब एर्दोगन ने कश्मीर पर सार्वजनिक टिप्पणी की है, जिससे अक्सर भारत की तीखी प्रतिक्रिया आई है। एर्दोगन ने अक्सर कश्मीर पर पाकिस्तान के विचारों का समर्थन किया है और संयुक्त राष्ट्र महासभा जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया है। कश्मीर पर एर्दोगन की ताजा टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब तुर्की के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की ने पाकिस्तान को हथियार भी दिए थे, जिसके बाद भारत में उसके बहिष्कार की बड़े पैमाने पर मांग की जा रही है।

अमेरिका के टोरनेडो में तूफान ने पूरी रात मचाई तबाही, 27 की गई जान, हजारों हुए बेघर

टोरनेडो

अमेरिका के टोरनेडो में आए तूफान ने तबाही मचा दी। यहां 27 लोगों की जान चली गई जबकि हजारों लोग बेघर हो गए। मिडवेस्ट और साउथ के राज्यों में आधी रात को आए इस काल ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली। हर तरफ तबाही के सबूत बिखरे पड़े हुए थे। अमेरिकी दक्षिणी राज्य केंटकी और मिसूरी मानों पूरी तरह से उजड़ गए हैं। हजारों-लाखों लोग बेघर हो गए है। गवर्नर एंडी बेशर ने बताया कि उनके राज्य में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें 17 मौतें लॉरेल काउंटी में और एक पलास्की काउंटी में हुई। मिसूरी में सात लोगों की जान गई, जबकि उत्तरी वर्जीनिया में दो लोगों की मौत पेड़ गिरने से हुई। केंटकी में 10 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं।

यूएस 17 मई, 2025 को आए तूफान में किम्बर्ली वेल्स अपने घर को हुए नुकसान के बाद अपने सामान को खंगाल रही हैं। वेल्स के कई दोस्त और परिवार के सदस्य तूफान के अगले दिन नुकसान की सफाई में मदद करने के लिए पहुंचे थे। हलॉरेल काउंटी में टोरनेडो ने घरों को तहस-नहस कर दिया। लंदन की रहने वाली कायला पैटरसन ने बताया कि वह अपने पति और पांच बच्चों के साथ बेसमेंट में टब में छिप गई थीं। उन्होंने कहा, ह्यदूर से चीजें टूटने और

कांच चटकने की आवाजें आ रही थीं। ऐसा लग रहा था कि मालगाड़ी पटरी पर आवाज करती जा रही है। मेरे घर को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आस पड़ोस के घर आंधी में ध्वस्त हो गए। शेरिफ के कार्यालय ने रातभर और सुबह तक बचे लोगों की खोज की। एक स्थानीय हाई स्कूल में आपातकालीन आश्रय बनाया गया। ग्रोवर फिशबेक एक कमरे के दरवाजे के चौखट पर खड़े होकर किम्बर्ली वेल्स के घर को हुए नुकसान को देख रहे हैं, जब मोर्गनफील्ड, केंटकी में तूफानों की एक श्रृंखला आई थी।

मिसूरी में सेंट लुइस की मेयर कारा स्पेंसर ने बताया कि उनके शहर में पांच लोगों की मौत हुई। शुक्रवार को टोरनेडो में 38 घायल हुए और 5,000 से अधिक घर तबाह हो गए। उन्होंने कहा, ह्यह तबाही दिल तोड़ने वाली है।ह्न सबसे प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लागू है। सेंट लुइस के सेंटेनियल क्रिश्चियन चर्च का हिस्सा ढह गया, जिसमें एक महिला पैट्रिशिया पेनल्टन की मौत हो गई। सेंट लुइस जू में तितली सुविधा की छत क्षतिग्रस्त हुई और तितलियों को चेस्टरफील्ड कंजर्वेटरी में रख दिया गया है। स्कॉट काउंटी में टोरनेडो से दो लोगों की मौत हुई और कई घर नष्ट हो गए। केंटकी में पहले भी ऐसी आपदाएँ आ चुकी हैं। 2021 में टोरनेडो से 81 लोगों की मौत हुई थी, 2022 में बाढ़ से दर्जनों लोग मारे गए थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, पारंपरिक ह्यटोरनेडो एलेह्न (ओक्लाहोमा, कंसास) की तुलना में अब मिड-साउथ में टोरनेडो ज्यादा हो रहे हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि टेक्सास, ओक्लाहोमा, और अरकंसास में रविवार तक बड़े ओले, तेज हवाएं और टोरनेडो का खतरा बना रहेगा। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने पहले चेतावनी जारी नहीं की। विशेषज्ञ फिलोमन गीर्टसन ने कहा कि यह टोरनेडो ही था, जो लंदन कॉर्बिन हवाई अड्डे तक पहुंच गया था। एक लोकल निवासी क्रिस क्रोमर ने बताया कि रात 11:30 बजे पहली चेतावनी मिली। वह अपनी पत्नी और कुत्ते के साथ रिलेटिव के साथ घर की क्रॉलस्पेस में छिप गए। उन्होंने कहा, टोरनेडो की कंपन महसूस हुई। मेरा छत का एक हिस्सा उड़ गया, लेकिन पड़ोस के घर नष्ट हो गए। यह अविश्वसनीय अनुभव था।

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी के सामने दुश्मन संघर्ष-विराम करने को मजबूर हुआ

जम्मू-कश्मीर के एलजी ने एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को किया संबोधित

जम्मू,

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो। सिन्हा ने यह टिप्पणी एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया के सामने गिड़िगड़ाया है। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो।

एलजी सिन्हा ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिल गया होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है।

एलजी ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देश सतर्कता, समर्पण, बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के साथ जीवन की रक्षा करने और हमारी सीमाओं की रक्षा करने के लिए सशस्त्र बलों का आभारी है। उनहोंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि हमारे जवान दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का डटकर सामना करेंगे। बाद में सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सेना और पुलिस अधिकारियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। तंगधार में हमारे बहादुर जवानों से बातचीत की। वे देश की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ डटे हैं। सिन्हा ने तंगधार सेक्टर में सीमा क्षेत्र का दौरा किया और पाकिस्तान द्वारा भारी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन किया।

रांची व बोकारो से एक साथ प्रकाशित
झारखंड न्यूजलाइन
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार 18 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

नलिन कुमार के निर्देश पर जेल अदालत स्वास्थ्य शिविर तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

झारखंड न्यूजलाइन

गढ़वा, जिला कारा गढ़वा में रविवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गढ़वा के अध्यक्ष नलिन कुमार के निर्देश पर जेल अदालत स्वास्थ्य शिविर तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में एल ए डीसी के डिप्टी चीफ नित्यानंद दुबे ने बंदियों को जागरूकता कैंप में उनको अपने मुकदमें की स्थिति की जानकारी लेने, प्ली बारगेनिंग, वन अधिनियम से संबंधित वाद व सुलहनीय वादो की विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम में उन्होंने बंदियों से उनकी समस्यायें सुनी और शीघ्र ही उनकी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया.

उन्होंने कहा कि कैदियों को हर संभव सहायता देने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकारी (डालसा) प्रतिबद्ध है. उन्होने विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा लगाये जाने वाले राष्ट्रीय व मासिक लोक अदालत की जानकारी दी और इसका लाभ उठाने की अपील की. वैसे बंदी जो अपने वाद की पैरवी करने के लिए अधिवक्ता रखने में असमर्थ है उन्हें सरकारी अधिवक्ता मुहैया कराये जाने की जानकारी दी गयी .उन्होंने जेल से निकलने के बाद बंदियों को समाज के मुख्य धारा से जुड़ने एवं अपने स्किल को बढ़ाकर नये जीवन की शुरूआत करने का आह्वान किया.डिप्टी चीफ अनीता रंजन ने गढ़वा कारा के बंदियों को रिमांड के समय तथा काराधीन होने के पश्चात मिलने वाले उनके अधिकारों के बारे में बताया. जेल अदालत में कैदियों का स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें कई कैदियों का स्वास्थ्य जांच किया गया तथा उन्हें आवश्यक दवाइयां मुफ्त में उपलब्ध कराई गई। जेल अदालत में जेल के इंचार्ज जेलर तथा करापाल सहित पी एल भी तृप्ता भानु, जेल में प्रतिनियुक्ति पी एल भी तथा अन्य उपस्थित थे।

नामकुम में नव निर्मित नाले को लेकर हुआ विवाद

झारखंड न्यूजलाइन

नामकुम के बरगावां खिजरी सिवान (बॉडर) में नाले का निर्माण कराया गया यह नाला लोगों के घरों व सड़क के बिच से काफी ऊपर बना दिया गया स्थानीय लोगों का कहना है की सड़क और स्थान के निवासियों के घर के बिच नाला पुल की तरह बना दिया गया है जिससे बरसात का पानी सड़क में जमा हो जाता है इससे इस सड़क से जाने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पडती है यह सडक सरकारी कार्यालयों के कर्मचारीयों का भी आना जाना लगा रहता है या सड़क इस कार्यालयों का मुख्य सड़क भी है इस सड़क पर आए दिन हादसा होता रहता है यहाँ कई लोग गिर कर चोटिल हो चुके हैं इनका कहना है की या सड़क का निर्माण कराया जाए या निर्मित नाले को सड़क के बराबर कर दिया जाए जिससे लोगों की परेशानी ना हो पाए इस पर सभी स्थनीय लोगों की सहमति बनी अब स्थनीय लोग इस संबंध में एक आवेदन उपायुक्त को दे कर इस समस्या का निराकरण का अनुरोध करेंगे

कॉफी विद एसडीएम : स्वच्छता कर्मियों को एसडीएम ने बुलाया कॉफी पर

झारखंड न्यूजलाइन

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार द्वारा चलाए जा रहे सप्ताहिक संवाद कार्यक्रम ह्लकॉफी विद एसडीएमह्व में इस बार गढ़वा अनुमंडल अंतर्गत स्वच्छता कर्मी भाई-बहनों को सादर आमंत्रित किया गया है। संजय कुमार ने बताया कि गढ़वा की सार्वजनिक स्वच्छता बनाए रखने में अपना नित्य प्रतिदिन का सतत योगदान देने वाले स्वच्छता-सैनिकों के साथ कॉफी पीते हुये उनसे अनौपचारिक वातार्लाप की जायेगी।इस आत्मीय संवाद के क्रम में उनसे यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत या समस्या तो नहीं है? स्वच्छता कर्मचारियों के कल्याण की दिशा में तथा गढ़वा की बेहतरी के लिए उनसे सुझाव भी लिए जाएंगे।

संजय कुमार ने कहा कि स्वच्छ गढ़वा, सुंदर गढ़वा का लक्ष्य इनके अथक परिश्रम से ही संभव हो पाता है, ऐसे में उनके योगदान को रेखांकित करते हुये उन्हें आदर और सम्मान के अलावा प्रशासनिक स्तर से प्रोत्साहन दिया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम में से हर कोई समाज में अपनी-अपनी भूमिका निभा रहा है उसी तरह स्वच्छता कर्मचारीगण भी अपने स्तर से समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिकायें निभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सदर एसडीएम संजय कुमार द्वारा हर सप्ताह समाज के विभिन्न वर्गों को अपने यहां कॉफी पर आमंत्रित कर उनकी समस्याओं को सुना जाता है साथ ही उनसे रचनात्मक सुझाव भी लिये जाते हैं। अभी तक किसानों, मजदूरों, साहित्यकारों, किन्नरों, दिव्यांगों, टैक्सी ड्राइवरों, फुटपाथ विक्रेताओं आदि जैसे समाज के 23 अलग अलग वर्गों को बुलाया जा चुका है। उसी क्रम में उनके इस सप्ताह के मेहमान स्वच्छता कर्मचारी हैं।

जनता की समस्याओं के समाधान हेतु धनंजय कुमार पुटूस द्वारा आयोजित 'जनता दरबार' में उमड़ी भीड़

झारखंड न्यूजलाइन

रामगढ़, रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि (मीडिया) धनंजय कुमार पुटूस द्वारा रविवार को 'जनता दरबार' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आम जनता उपस्थित रही और अपनी विभिन्न समस्याओं को उनके समक्ष रखा। जनता दरबार में रामगढ़ कैंट वार्ड 5 (बंगाली टोला) की महिलाओं ने लगभग 10 वर्षों से चली आ रही पेयजल संकट की गंभीर समस्या को उठाया। उन्होंने आवेदन के माध्यम से श्री पुटूस से समाधान की मांग की।

श्री पुटूस ने सभी लोगों की बात को गंभीरता से सुना और कहा:

जनता की समस्या ही मेरी प्राथमिकता है। पेयजल संकट जैसी मूलभूत समस्या को किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मैं स्वयं स्थल पर जाकर स्थिति का मुआयना कर चुका हूँ और संबंधित पदाधिकारियों से मिलकर इसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करूंगा। जनता दरबार में कई अन्य समस्याएं जैसे पेंशन में विलंब, राशन कार्ड में त्रुटियाँ, सड़क की खराब स्थिति आदि भी उठाई गईं, जिनके समाधान के लिए पुटूस जी ने अपनी टीम को निर्देशित किया। श्री पुटूस ने आगे कहा कि यह जनता दरबार जनता की आवाज को सीधे सुनने और हल निकालने का मंच है। यह प्रयास लगातार जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नेमरा पहुंचकर चाचा जगदीश सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी

कृष्णा करमाली रामगढ़

सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को गोला प्रखंड के नेमरा पहुंचकर चाचा जगदीश सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिवार को दुःख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दे। मौके पर मुख्यमंत्री की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, माँ रूपी सोरेन सहित कई मौजूद थे.

उमवि महावीर नगर के छात्रों के बीच विधायक ने किया साइकिल वितरण

झारखंड न्यूजलाइन

खलारी। खलारी प्रखंड के बुकबुका पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय महावीर नगर उपर टोला के आठवीं बोर्ड पास छात्रों के बीच सत्र 2024-25 के लिए साइकिल वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कांके विधायक सुरेश बैठा ने किया। उनके साथ खलारी प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार, अंचल अधिकारी, पंचायत मुखिया पारसनाथ उरांव और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में 10 बालक और 15 बालिकाओं को साइकिल दी गई। विधायक ने खुद साइकिल चलाकर बच्चों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस पहल से बच्चों को उच्चतर कक्षा की पढ़ाई में सुविधा मिलेगी। बच्चों ने साइकिल पाकर खुशी जताई और आगे की पढ़ाई पूरी करने का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य रंथु साहू ने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों को

शिक्षा के लिए प्रेरित करने और उनके विकास में मदद करने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही देश का भविष्य तय करती है। जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे और बच्चों को प्रोत्साहित किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रखंड सभागार में बच्चों को शिक्षा से जुड़ी जरूरी बातें बताई। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को उच्चतर कक्षा तक पढ़ाई पूरी करनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को पानी और लस्सी दी गई। इस मौके पर शिक्षा विभाग के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सर्वरी नाथ प्रसाद चौरसिया, बीआरपी सोसोदर महतो, विशेष शिक्षा साधन सेवी बबीता कुमारी और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जेएलकेएम नेता देवेन्द्र नाथ महतो के जनता दरबार में पहुंचे सैकड़ों लोग,कई मामलों पर हुआ त्वरित समाधान

झारखंड न्यूजलाइन

ओरमांझी:(एहसान राजा)रविवार को जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो रांची मोराबादी में जनता दरबार लगाया जिसमें विभिन्न क्षेत्र से सैकड़ों लोग अलग अलग समस्या को लेकर पहुंचे। देवेन्द्र नाथ महतो एक एक करके सबका समस्या को गंभीरता से सुना कोई समस्या पर त्वरित समाधान का प्रयास किया । जनता दरबार में प्राइवेट हॉस्पिटल, प्राइवेट कॉलेज, प्राइवेट स्कूल का मनमानी, ब्लॉक में लंबित कार्य और भ्रष्टाचार, अवैध रूप से जमीन हड़प , पैसा ढगी जैसे मामला आया। सबसे आश्चर्यचकित मामला रांची नगर निगम द्वारा सुअर पालकों को होटल रेस्टोरेंट से वेस्ट फूड रोकने का मामला आया, और रांची विश्वविद्यालय में इंटरमीडिएड पढ़ाई बंद का मामला आया।मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए विभागीय अधिकारियों से वार्ता कर समस्या का समाधान का निर्देश दिया तथा समस्या का समाधान नहीं होने पर विभागीय अधिकारियों को आंदोलन का चेतावनी भी दिया।

ओरमांझी के कृषक का हार्ट अटैक से हुआ निधन, शोक

ओरमांझी:प्रखंड के क्षेत्र स्थित चकला पंचायत के दड़दाग गांव के मास्टर कॉलोनी के कृषक महेंद्र महतो की शनिवार की रात तबियत बिगड़ने के बाद चंद्रा हॉस्पिटल बोड़िया में भर्ती किया गया। वहीं इलाज के दौरान हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 73 वर्ष के थे। उनके निधन के बाद परिजन रोने बिलखने लगे। सगे संबंधियों के अलावा पूरे पंचायत में शोक की लहर दौड़ गयी।शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व उप मुखिया आफताब आलम उर्फ कौसर, शिव नाथ मुंडा, राजू,रंजन, अलखनाथ महतो आदि शामिल थे।

सगीता देवी को मुआवजा का भुगतान करते- जैलेन्द्र कुमार

झारखंड न्यूजलाइन

अनगड़ा। मृत लाइनमैन नागेश्वर बेदिया(26) की विधवा सगीता देवी को संवेदक जय माता दी कंस्ट्रक्शन ने रविवार को नकद पचास हजार रूपया मुआवजा राशि का भुगतान किया। कुल तीन लाख रूपया का मुआवजा भुगतान किया जाएगा। ज्ञात हो कि 16 मई को गेतलसूद के जाराटोली निवासी लाइनमैन नागेश्वर बेदिया की मौत चड़री बाजार नामकुम में बिजली पोल से गिरकर हो गई थी। शनिवार को खिजरी विधायक राजेश कच्छप, भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार, प्रमुख दीपा उरांव पीड़ीत परिवार से मिले थे। मौके पर संवेदक से बात कर मुआवजा भुगतान करने को कहा गया था। आज मुआवजा राशि का भुगतान जैलेन्द्र

कुमार व संवेदक जय माता दी कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रतिनिधि पंकज कुमार साहू ने किया। जैलेन्द्र कुमार ने बताया कि सोमवार की संवेदक की ओर से शेष ढाई लाख रूपया का चेक पीड़ीत परिवार को दिया जाएगा। इस्के अलावा मृतक की पत्नी संगीता देवी को कंपनी दिहाड़ी मजदूरी का भुगतान करते रहेगी `मौके पर करमु बेदिया मनोज बेदिया संदीप बेदिया सुरेश बेदिया बबिता देवी सुबनती देवी आसाराम बेदिया उपस्थित थे`

डीसी से गैरमजरुआ जमीन पर अनावश्यक कार्य करने की शिकायत, काम रोक की मांग

रजरप्पा,झारखंड न्यूजलाइन

चितरपुर प्रखंड के लारीकलां पंचायत के पसरा टोला निवासी गौतम करमाली ने एक आवेदन देकर रामगढ़ डीसी को अवगत करवाया है कि पंडा पोखर, पसरा टोला, लारीकला की गैरमजरुआ जमीन (खाली) पर गाँव का ही एक ठेकेदार डब्ल्यू खान के द्वारा किसी सरकारी फंड से मनमाने ढंग से कोई अनावश्यक काम करने की शिकायत की. आवेदन के अनुसार लारीकलां गैरमजरूआ जमीन पर एक पंडा पोखर अर्थात एक करमाली पोखर है। उक्त पोखर पर खाली पड़े जमीन पर ठिकेदार बिना मुहल्लेवासियों की सहमती जाने एवं उक्त गाँव के मुखिया, उपमुखिया को काम की जानकारी दिए बगैर अपनी मर्जी से मरखी सेड तथा अन्य कार्य करने में लगा हुआ है। हमलोग चाहते है कि तालाब की खाली पड़े गैरमजरूआ जमीन पर ठिकेदार के द्वारा कोई अनावश्यक काम नहीं किया जाए। जिससे तालाब को सुरक्षित रखना मुश्किल हो जाए या जमीन की बवार्दी हो. मरखी सेड बनाना ही है तो तेलिया पोखर में बनाए जाय. जहाँ लाश दफनाते है. जहाँ दशकर्मा के लिए तेलीया पोखर नहाने जाते है.

पूर्व में ग्रामीणों ने सरकार से जीएम जमीन उपलब्ध कराने की मांग कर चुके है. उक्त स्थल पर कार्य ही करना है तो महिला शौचालय निर्माण की कार्य हो. साथ ही कारीगरों की जरूरत को देखते हुए उत्थान में जमीन पर ध्यान दिया जाय. उन्होंने हो रहे कार्य को बंद करने की मांग की है.

साथ ही कारीगरों की जरूरत पर ध्यान दिया जाय. वही संवेदक ने कहा कि श्मशान सेड का निर्माण कार्य हो रही है, जो डीएमएफटी मद से है. अगर ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो संबंधित विभाग से मिलकर जानकारी ले सकते है. हम जन हित का कार्य कर रहे है. ग्रामीण विकास कार्य के पक्ष में है.

ओरमांझी में पुलिस की बर्बरता का मामला,निर्दोष युवक के साथ मारपीट और अपहरण जैसे हालात

ओरमांझी:(एहसान राजा)

थाना क्षेत्र के पुलिस की बर्बरता का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। हिन्देबिल्ली पंचायत अंतर्गत ग्राम जावाबेड़ा निवासी धीरज बेदिया (उम्र 32 वर्ष) को 17 मई की शाम लगभग 5 बजे पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट करते हुए एक निजी वाहन में जबरन घसीटकर ले जाया गया। बताया जा रहा है कि जिस वाहन में धीरज को ले जाया गया,वह रंगदारी के मामलों में संलिप्त व्यक्ति का है। गाड़ी संख्या JH01DD3859 है,जो लालदेव यादव (उम्र 35 वर्ष पिता जगदीश यादव ग्राम हिन्देबिली गढ़टोली) के नाम पर दर्ज है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, लालदेव यादव आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और कई बार जेल भी जा चुका है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन और पुलिस मिलकर ऐसे आपराधिक तत्वों को संरक्षण दे रहे हैं। धीरज बेदिया को न किसी मामले में गिरफ्तार किया गया, न ही कोई कानूनी कार्रवाई का औपचारिक ऐलान हुआ। बल्कि उसे सीधे तौर पर उठा लिया गया, जिससे इलाके में भय का माहौल है।

जर्जर सड़क और खदान मालिक की मनमानी

मामला सिर्फ यहीं नहीं थमता।गांव के लोग जावाबेड़ा से मांदरो चौक तक की सड़क की दुर्दशा को लेकर भी बेहद नाराज हैं। खस्ताहाल सड़कों पर स्कूल जाने वाले बच्चों, बीमारों और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एम्बुलेंस तक पहुंचने से मना कर देती है और ग्रामीणों को बीमारों को मोटरसाइकिल से अस्पताल ले जाना पड़ता है।

स्थानीय पत्थर खदान के मालिक गौरव सिंह पर आरोप है कि वह सड़कों की मरम्मत नहीं करवा रहे हैं। धूल उड़ने की वजह से लोगों को श्वास संबंधी दिक्कतें हो रही हैं,जबकि पानी केवल दिन में एक बार टैंकर से छिड़का जाता है। जब ग्रामीण खदान मालिक से सड़कों की मरम्मत या पानी छिड़काव की मांग करते हैं,तो प्रशासन के सहयोग से पुलिस उन्हें धमकाती है, मारती है और थाने में ले जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन खदान मालिक के पक्ष में काम कर रहा है और जनता की समस्याओं को अनदेखा कर रहा है।

ग्रामीणों की मांग:

धीरज बेदिया की तत्काल रिहाई और घटना की निष्पक्ष जांच लालदेव यादव के खिलाफ कठोर कार्रवाई।

जर्जर सड़क की तत्काल मरम्मत खदान मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और धूल नियंत्रण के लिए ठोस व्यवस्था पुलिस की मनमानी पर रोक और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना। यह मामला एक बार फिर दशार्ता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक लापरवाही और अपराधियों से मिलीभगत कैसे आम जनता पर भारी पड़ रही है।

विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला की बैठक हुई संपन्न,आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुई चर्चा

झारखंड न्यूजलाइन

रामगढ़। विश्व हिंदू परिषद रामगढ़ जिला की जिला बैठक आगामी कार्यक्रमों कि निमित्त रविवार को विश्व हिन्दू परिषद जिला कार्यालय में संपन्न हुई।जिला बैठक में मुख्य रूप से विश्व के प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार जी और प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख सह रामगढ़ जिला पालक प्रकाश रंजन जी उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ ऊं के उच्चारण तथा विजय महामंत्र के साथ किया गया।बैठक में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति की के द्वारा किये गये कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई,साथी ही विश्व हिंदू परिषद्, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी और मातृशक्ति का इस वर्ष लगने वाले प्रशिक्षण शिविर में जाने वाले संख्या की जानकारी ली गई,साथ ही संगठन विस्तार पर करने का निर्देश दिया गया। संगठन के द्वारा चलाये जा रहे गतिविधियों को अधिक से अधिक स्थानों पर करने का निर्देश दिया गया। प्रांत सह संयोजिका दुर्गा वाहिनी कृति गौरव जी, विहिप जिला सह मंत्री तरुण वर्मा जी,जिला कोषाध्यक्ष अभय वर्मा जी,जिला संयोजक बजरंग दल भागीरथ पोद्दार जी,जिला मिलन केंद्र प्रमुख महेंद्र ठाकुर जी,जिला प्रचार प्रसार प्रमुख दानिश पटेल जी,जिला सत्संग प्रमुख संतोष सिंह जी,विहिप प्रखंड उपाध्यक्ष अमर कुशवाहा जी,रॉकी नायक जी सहित अन्य मौजूद थे।

रांची व बोकारो से एक साथ प्रकाशित
झारखंड न्यूज़लाइन
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार 18 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

सेना के सम्मान में कालका माता का तिरंगा श्रृंगार

इन्दौर कालका माता के भक्तों द्वारा भी भारतीय सेना के साहस और शौर्य को नमन किया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहले आतंकवादियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने और फिर उनकी हिमाकत करते उन्हें बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के उसके घर में घुसकर तहस नहस करने वाली भारतीय सेना को सम्मान देते इन्दौर के विजय नगर चौराहा स्थित श्री ग्वाल भैरव कालका माता मंदिर के गर्भगृह को जल, थल व वायु सेना के सम्मान में विशेष रूप से सुसज्जित किया गया। मां कालिका को तिरंगे के तीन रंगों में सजाया गया। मुख्य पुजारी राहुल यादव ने बताया कि वीर जवानों की दीघार्यु और कुशलता के लिए दीप उत्सव मना महाआरती की गई।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर नरसिंहपुर में निकाली गई विशाल पैदल तिरंगा यात्रा

नरसिंहपुर । ऑपरेशन सिंदूर की सफलता एवं भारतीय सेना के शौर्य को सलाम करने के लिए शनिवार को नरसिंहपुर नगर में विशाल पैदल तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस तिरंगा यात्रा में हजारों की तादाद में जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक, खिलाड़ी, तिरंगा दल, युवा वर्ग, मातृशक्ति, नागरिक, बुजुर्ग और सभी धर्मो के धर्मगुरु इस तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, पूर्व राज्य सभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, नगरपालिका अध्यक्ष नरसिंहपुर नीरज दुबे, रामसनेही पाठक, पूर्व सैनिक लालसाहब जाट, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी, सुनील कोठारी, नीलकमल जैन, देवेन्द्र पाठक, मनीष ठाकुर, बन्ने खॉ, अन्य जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

उत्साह व उमंग के साथ निकाली गई तिरंगा यात्रा

नगर के सुभाष पार्क चौराहे से पैदल तिरंगा यात्रा शुरू हुई। यह तिरंगा यात्रा सुभाष पार्क से इतवारा बाजार, अष्टांग तिगड्डा, सांकल तिराहा, सुनका चौराहा, राम मंदिर, मेन रोड सिंहपुर चौराहा, हरेराम धर्मशाला के सामने से होते हुए वापस सुभाष पार्क में समाप्त हुई। इस यात्रा में हजारों की संख्या में एकत्र हुए लोगों ने हाथो में तिरंगा थामे हिंदुस्तान जिंदाबाद,भारत माता की जय, भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगाए। साथ में देशभक्ति गीतों ने वातावरण में देश प्रेम के प्रति उत्साह व जोश को दुगुना कर दिया। ये विशाल तिरंगा यात्रा ऐसे ही वीर सपूतों व भारतीय सेना के शौर्य को सलाम करने के लिए निकाली गई है।

जगह- जगह हुआ तिरंगा यात्रा का स्वागत

नगर में निकाली गई इस विशाल तिरंगा यात्रा को देखने के लिए जहां नागरिकों का हुजूम उमड़ रहा था। उनके मन में देशभक्ति का प्रेम स्वतः आने पर इस यात्रा में शामिल हो रहे थे। वहीं दूसरी ओर नागरिकों ने फूल वर्षा करके, शीतल पेय और फल वितरित कर इस तिरंगा यात्रा का स्वागत किया।

शौर्य स्मारक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को किया नमन

तिरंगा यात्रा के पूर्व सुभाष पार्क में स्थित शौर्य स्मारक में पुष्पचक्र और पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इसके बाद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजगुरु, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिस्मिल को फूलमाला पहनाकर श्रद्धांजलि दी।

पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

तिरंगा यात्रा के पश्चात सुभाष पार्क में पूर्व सैनिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यहां तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, पूर्व राज्य सभा सांसद कैलाश सोनी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश ककोड़िया, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, नगरपालिका अध्यक्ष नरसिंहपुर नीरज दुबे व उपाध्यक्ष अजीत जाट, गोटेगांव नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पूनम जितेन्द्र ठाकुर, रामसनेही पाठक और अन्य जनप्रतिनिधियों व गणमान्य नागरिकों ने पूर्व सैनिकों को फूलमाला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने संयुक्त रूप से भारत माता की आरती की। इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य देश के वीर सैनिकों को सम्मान देना तथा देशभक्ति की भावना को सशक्त करना था। यह यात्रा उन वीर सैनिकों को समर्पित है जिन्होंने देश की रक्षा में अपना जीवन समर्पित किया।यह तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय जन सुरक्षा मंच नरसिंहपुर के तत्वाधान में निकाली गई।

ग्रामो में पेयजल संकट-इधर हो रही पानी की बबार्दी

कोरबा कोरबा जिलान्तर्गत नगर पंचायत छुरीकला में पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। यह समस्या गर्मी के दिनों में काफी विकराल हो जाती है। कई वार्डों में 2 से 3 दिन में जलापूर्ति नगर प्रशासन कर पाता है। वहीं दूसरी ओर से पानी को बर्बाद किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि सागर तालाब के पास जल आपूर्ति के लिए बनाई गई पानी टंकी का पाइप टूट गया है। जिसकी वजह से पानी भरते समय टंकी का पानी फौव्वारा के रूप में बर्बाद हो रहा है। इससे हजारों लीटर पानी बेकार बह रहा है। पंचायत प्रशासन और जनप्रतिनिधि द्वारा समस्या को गंभीरता से नहीं लिए जाने से नगरवासियों में गहन आक्रोश व्याप्त हैं।

सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन का भूमि पूजन छातापाठ में हुआ संपन्न

कोरबा कोरबा जिलान्तर्गत करतला विकासखंड के छातापाठ मंदिर प्रांगण में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन का भूमि पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक फूलसिंह राठिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत करतला की सरपंच श्रीमती फुलबाई राठिया ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, चंद्रवंशी राठिया समाज उत्थान समिति के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद राठिया, ठाकुर देव ट्रस्ट के सचिव जनक राम राठिया, ग्राम पटेल नत्थू सिंह राठिया, जनपद सरपंच संघ अध्यक्ष रामेश्वर सिंह राठिया सहित अनेक गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरूआत समाज के आराध्य देव ठाकुर देव एवं छातापाठ बाबा की पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई, जिसे समाज के बैगाओं द्वारा संपन्न किया गया। तत्पश्चात मनमोहन सिंह राठिया ने सभी अतिथियों का स्वागत उद्बोधन के माध्यम से किया।

मुख्य अतिथि विधायक फूलसिंह राठिया ने कहा की ह्लसमाज ने मुझे चुनकर जो जिम्मेदारी दी है, उसका निर्वहन करना मेरा कर्तव्य है। यह सामुदायिक

भवन समाज को समर्पित मेरी पहल का एक छोटा सा हिस्सा है। जब तक मैं विधायक हूं, तब तक इस क्षेत्र का निरंतर विकास करता रहूंगा।ह्व उन्होंने समाज में बढ़ती नशाखोरी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है, और इससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।

इस अवसर पर राठिया समाज के गणमान्य व्यक्ति, सरपंच, बीडीसी सदस्य, महिला मंडल एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

बिहार में बर्थडे पार्टी के दौरान हर्ष फायरिंग...गोली लगने से 10 साल की बच्ची की मौत; मचा हड़कंप

बिहार के पटना जिले के चमनपुरा इलाके में एक जन्मदिन समारोह के दौरान हर्ष में चलाई गई गोली लगने से 10 साल की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ-सदर) अभिनव ने बताया कि यह घटना शनिवार रात को हुई जब रिया नाम की बच्ची अपने परिवार के सदस्यों के साथ जन्मदिन की एक पार्टी में शामिल होने गई थी, जहां हर्ष में की गई गोलीबारी के दौरान उसे गोली लग गई।

एसडीपीओ ने कहा, ₹बच्ची और उसका परिवार अखिलेश राम के पोते की जन्मदिन की पार्टी में शामिल हुए थे। हर्ष में की गई गोलीबारी के दौरान एक गोली रिया को लग गई। उसे तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।₹ उन्होंने बताया कि पुलिस ने राम को मौके से गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से दो देसी तमंचे और पांच कारतूस बरामद किए।

डामरीकरण कार्य का बांकीमोंगरा नगर पालिका अध्यक्ष ने भूमि-पूजन पश्चात कार्य का किया शुभारंभ

कोरबा कोरबा-पश्चिम नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा में विकास की गंगा बहते नजर आ रही हैं। बांकीमोंगरा नगर पालिका अंतर्गत अलग-अलग वार्डों में विभिन्न कार्य करे जा रहे हैं। इसके अंतर्गत साफ-सफाई, बिजली सुधार, सड़क, नाली, भवन सहित अन्य निर्माण कार्य सम्मिलित हैं। इसका मुख्य कारण जनप्रतिनिधियों की जागरुकता को माना जा रहा हैं। जहां नगर पालिका अध्यक्ष सहित सभी पार्षदगण अपने-अपने स्तर से वार्डों में कार्य करवा रहे हैं। बताया जा रहा हैं की इस कार्य में एसईसीएल विभाग का भी सहयोग मिल रहे हैं। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 12 गजरा साईड कॉलोनी में नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा के अध्यक्षा श्रीमती सोनी विकास झा ने

एसईसीएल द्वारा करायें जा रहे डामरीकरण कार्य को भूमिपूजन कर व श्रीफल तोड़कर प्रारंभ किया। इस दौरान पालिका अध्यक्षा श्रीमती सोनी कुमारी झा के साथ विकास झा प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजयुमो छत्तीसगढ़, उदय शर्मा मंडल अध्यक्ष, श्रीमती अनिता राजपूत महिला मोर्चा महामंत्री, श्रीमती प्रमिला सायतोड़े पार्षद वार्ड क्रमांक 12 सहित आसपास के कॉलोनी वासी, एसईसीएल के अधिकारी शामिल रहे।

प्रॉपर्टी विवाद को लेकर वृद्ध रिटायर्ड डीएसपी से बेटा-बहू ने की मारपीट

भोपाल । शहर के कोहेफिजा में रहने वाले वृद्ध रिटायर्ड डीएसपी के साथ उनके बड़े बेटे और उसकी पत्नि द्वारा संपत्ति पर कब्जे को लेकर मारपीट किये जाने का मामला सामने आया हैं। हालांकि फरियादी ने पिछले दिनों संपत्ति का अपने बच्चो के बीच बंटवारा भी कर दिया था। संपत्ति में हक लेने के बाद भी बेटा-बहू उनकी देखभाल नहीं कर रहे थे। इतना ही नहीं दोनों ने मिलकर उनके साथ मारपीट भी कर दी। इसके बाद मामला पुलिस थाने पहुंचा। थाना पुलिस के अनुसार लालघाटी स्थित ओम शिव नगर में रहने वाले रमेश चंद्र यादव पिता स्वर्गीय हरलाल यादव (77) मध्यप्रदेश पुलिस से रिटायर्ड डीएसपी हैं। उनकी एक बेटी इंदौर में रहती है। पत्नी कमला यादव का साल 2021 में निधन होने के बाद वे अकेले रहने लगे। वह जहां रहते हैं, वहॉ पत्नी के नाम पर जमीन लेकर उस पर तीन मंजिला मकान उन्होनें बनाया है। पहली मंजिल पर बड़ा बेटा मुकेश यादव उसकी पत्नी सरिता यादव रहते हैं। उसके साथ वे 2024 में आठ महीने रहे। लेकिन बेटा-बहू द्वारा उनकी ठीक से देखभाल नहीं करते थे। इस कारण वे बेटी शारदा के पास रहने चले गए थे। वहां इलाज के बाद इसी साल फरवरी में वह अपने मकान में वापस रहने चले आए। इसके बाद भी बेटा-बहू के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया। तब वह संजीव नगर में रहने वाले छोटे बेटे राजेश यादव के पास रहने चले जाते थे। बड़ा बेटा और बहू दोनों मकान के कब्जे को लेकर आये दिन विवाद करते थे। इस कारण 11 मई को तीनों बेटियों, दामाद और छोटे बेटे की मौजूदगी में बड़े बेटे को पहली मंजिल, छोटे बेटे को दूसरी मंजिल देकर ग्राउंड फ्लोर उन्होंने अपने पास रख लिया। तीन पहले रिटायर्ड डीएसपी की तबीयत ठीक नहीं थी। इस कारण उन्होंने छोटे बेटे और बहू को बुला लिया। बड़े बेटे और बहू को लगा कि वे संपत्ति पर कब्जा करने आए हैं। इसी बात को लेकर बड़े बेटे और बहू ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। तंग आकर वृद्ध थाने पहुचें और बेटा-बहू के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया।

भोपाल में सामने आया हिंदू लव जिहाद का पहला मामला

- खुद को बादल बताया, बनाये शारीरिक संबध, शादी की बात पर बन गया गिरीश

- शादी का दबाव डालने पर बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव, महिला ने भी दिया साथ

- दोनो के खिलाफ धार्मिक स्वातंत्र्य संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

भोपाल । प्रेम जाल में फांस कर युवतियो पर शादी करने के लिये धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाले आरोपियो के खिलाफ मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार ने 2021 में धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक अधिनियम बनाया था। संभवत कानून बनने के बाद से इस विधेयक में अधिकांश मुस्लिम युवक ही आरोपी बने हैं। लेकिन, तीन साल बाद हिंदू लव जिहाद का पहला मामला भोपाल शहर के छोला मंदिर थाने में दर्ज हुआ है। इस मामले में आरोपी हिंदू युवक ने मुस्लिम युवती को शादी करने के लिए पहले तो खुद को मुस्लिम बताकर उससे नजदीकियां बढ़ाते हुए शारीरिक शोषण किया बाद में शादी करने के लिये युवती पर हिंदू धर्म अपनाने का दबाव डालने लगा। पुलिस ने आरोपी के साथ ही उसका साथ देने वाली अन्य महिला को भी आरोपी बनाया है। पुलिस सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार 19 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की पहले वह छोला मंदिर इलाके की एक मल्टी में रहती थी। और फिलहाल ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में रहती है। सूत्रो से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने पुलिस को बताया की करीब छह महीने पहले छोला इलाके में रहने के दौरान एक पारिवारिक कार्यक्रम में उसकी पहचान वहीं रहने वाले आरोपी युवक से हुई थी। उस समय आरोपी ने खुद को मुस्लिम बताते हुए बादल बताया था। जबकि उसका नाम गिरीश सोनी उर्फ बादल सोनी है। युवती को लगा कि वह मुस्लिम समाज का है। जल्द ही उनके बीच दोस्ती और फिर प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। आरोपी गिरीश सोनी उर्फ बादल ने उसे 15 अक्टूबर, 2024 को बहाने से भानपुर स्थित मल्टी पर मिलने के लिये बुलाया। युवती के पहुंचने पर आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना डाले। इसके बाद वह जल्द शादी करने की बात कहकर लगातार पीड़िता का शारीरिक शोषण करता रहा। इस बीच युवती ने उस पर शादी करने का दबाव डालना शुरू किया। पहले तो आरोपी उसे बहानेबाजी कर टालता रहा लेकिन अधिक दबाव बनाने पर उसने पीड़िता से कहा की वह मुस्लिम नहीं हैं। वह हिंदू समाज से आता है। और वह उसके साथ तभी शादी करेगा जब वह उसका धर्म अपना लेगी। इस पर पीड़िता ने उसे काफी समझाया लेकिन जब वह नहीं माना तब युवती पुलिस के पास पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी बादल के खिलाफ दुष्कर्म व धार्मिक स्वातंत्र्य संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया। वहीं अपनी शिकायत में पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया की आरोपी बादल सोनी की मदद भारती सोनी नामक महिला ने की थी, जिस पर पुलिस ने बादल सहित भारती सोनी को भी प्रकरण में आरोपी बनाया है। पुलिस सूत्रों की मानी जाये तो आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

सर्वमंगला चौक पर वाहन पार्किंग करने वाले ट्रैलर चालकों पर हुई चालानी कार्यवाही

कोरबा कोरबा अंचल के सर्वमंगला चौक पर ट्रैलर चालक बेतरतीब ढंग से अपनी ट्रैलर वाहनों को खड़ा कर देते हैं। जिसकी वजह से आम राहगीरों को मार्ग में गुजरने में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस खबर को प्रमुखता से मीडिया में वायरल किया गया था।

तदुपरांत मामले में संज्ञान लेते हुए सर्वमंगला चौकी पुलिस ने सर्वमंगला चौक में बेतरतीब ट्रैलर वाहनों को पार्किंग करने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करते हुए ताबड़तोड़ कार्यवाही शुरू कर दी हैं।

*** बायपास बनने उपरांत वाहनों का वहा खड़े रहना समझ से परे**

उल्लेखनीय है कि सर्वमंगला चौक से होकर ट्रैलर चालक कुसमुंडा,

दीपका खदान सहित अन्य मार्गों पर आना-जाना करते हैं, पिछले कुछ दिनों से देखा जा रहा था कि सर्वमंगला चौक पर बड़े पैमाने पर ट्रैलर चालक अपनी वाहनों को पार्किंग कर देते थे। जिसके चलते इस मार्ग में जाम की स्थिति निर्मित हो रही थी और लोगों को आने-जाने में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। यहां तक की हादसों का खतरा भी बना हुआ था। इसे इस खबर को प्रमुखता से मीडिया में वायरल किया गया था। जिसके बाद सर्वमंगला चौकी प्रभारी वैभव तिवारी अपनी टीम के साथ विशेष अभियान के तहत सर्वमंगला चौक सहित मार्ग में बेतरतीब ट्रैलर वाहनों को खड़ा करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करी। बताया जा रहा हैं की सर्वमंगला चौकी पुलिस ने कुछ घंटे के भीतर ही एक दर्जन से अधिक ट्रैलर चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की है। सर्वमंगला चौकी प्रभारी वैभव तिवारी ने बताया कि सभी चालकों के खिलाफ विधिवत कार्यवाही के साथ अर्थदंड भी लगाया गया हैं। साथ ही सभी चालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि आने वाले दिनों में यदि इस स्थान पर वाहनों को बेतरतीब ढंग से पार्किंग करते हैं तो उनके खिलाफ और भी सख्त कार्यवाही की जाएगी।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल शुरू होने से 1 करोड़ होगी यात्री क्षमता! यात्रियों को मिलेंगी ये विशेष सुविधाएं

बिहार

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पटना हवाईअड्डा के नए टर्मिनल के शुरू होने से उड़ानों की संख्या 34 से बढ़कर 75 और यात्री क्षमता 25 लाख से एक करोड़ तक पहुंच सकती है। चौधरी ने शनिवार को बताया कि केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत बिहार में जो दस नए हवाईअड्डा बनने हैं, उनमें से मधुबनी, मुजफ्फरपुर, वाल्मीकि नगर, बीरपुर, सहरसा और मुंगेर में बनने वाले छह हवाईअड्डा है। इनकी निर्माण प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। उसी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पटना हवाईअड्डा के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन भी करेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना हवाईअड्डा का नया टर्मिनल 65,150 वर्ग मीटर में फैला होगा, जो मौजूदा टर्मिनल से काफी बड़ा है। इसके शुरू होने पर उड़ानों की संख्या 34 से बढ़कर 75 और यात्री क्षमता 25 लाख से एक करोड़ तक पहुंच सकती है। उन्होंने बताया इन हवाई अड्डों के निर्माण के लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की दो टीमें 22 से 27 मई तक बिहार के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे इन प्रस्तावित स्थलों पर जाकर फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करेगी। चौधरी ने कहा कि पटना हवाईअड्डा के नए टर्मिनल देश के दूसरे हिस्सों से ना केवल बिहार की एयर कनेक्टिविटी को बढ़ाएंगे, बल्कि पर्यटन और औद्योगिक विकास के लिए भी संभावनाओं के द्वार खोलेंगे। इससे रोजगार के अवसर बढेंगे। उन्होंने कहा कि पटना हवाईअड्डा का नया टर्मिनल बनने से इसकी सेवाओं का विस्तार होगा और राज्य के हवाई यातायात को नई ऊंचाई मिलेगी। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या बढ़ेगी।

यात्रियों को मिलेंगी ये विशेष सुविधाएं

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना हवाईअड्डा के नए टर्मिनल में विशाल वेटिंग एरिया, उन्नत सुरक्षा प्रणाली और बेहतर कनेक्टिविटी जैसी विशेषताएं होंगी। यहां 52 चेक-इन काउंटर, मल्टी-लेवल पार्किंग, 5 एयरोब्रिज और अत्याधुनिक बैगेज हैंडलिंग सिस्टम जैसी सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने बताया कि पटना हवाईअड्डा के नए टर्मिनल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सुरक्षा एवं प्रबंधन प्रणाली होगी। भवन की दीवारों पर मिथिला और 3डी पेंटिंग लगाया गया है। यहां यात्रियों को हाई-स्पीड फ्री वाई-फाई, ऑटोमैटिक चेक-इन, वीआईपी लाउंज, डॉरमेट्री, एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम और फायर स्टेशन जैसी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)की डबल इंजन सरकार राज्य के हर क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और हवाई सम्पर्क बढ़ाने का लगातार प्रयास कर रही है।

बिहार में मौसम का डबल अटैक: एक तरफ लू! दूसरी ओर आंधी-तूफान का कहर,जानिए अपने जिले का हाल

बिहार में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। एक ओर राज्य के कई जिले प्रचंड गर्मी की चपेट में हैं, वहीं दूसरी ओर पूर्वी और सीमावर्ती जिलों में आंधी-बारिश की आशंका जताई गई है। शुक्रवार को I»»fdiÔ MeteorologicÔl DepÔrtme»»ft (IMD) ने प्रदेश में HeÔtwÔve Alert के साथ-साथ RÔi»»ffÔll Ô»»fd Thu»»fder-storm WÔr»»fi»»fg भी जारी की है।

24 जिलों में गर्मी का कहर, येलो अलर्ट जारी

राज्य के 24 जिलों में तेज धूप और झुलसाने वाली गर्मी लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, इन इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री अधिक दर्ज किया जा सकता है। कई स्थानों परX temperÔture

42°C to 44°C तक पहुंचने की आशंका है। बीते 24 घंटे में रोहतास में 43.6त्ड और गया में 43.1त्ड तापमान दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है।

इन जिलों में 40 डिग्री के पार पारा

पटना, शेखपुरा, औरंगाबाद, भोजपुर, नालंदा और वैशाली जैसे जिलों में Severe HeÔt Co»»fditio»»fs का असर देखने को मिल रहा है। दोपहर के समय सड़कें सुनसान हो रही हैं और HeÔtstroke Risk बढ़ गया है।

14 जिलों में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी

राज्य के उत्तर-पूर्वी और सीमावर्ती 14 जिलों में मौसम ने दूसरी करवट ली है। 17 और 18 मई को पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर और बांका में Thu»»fder-storm with Light»»fi»»fg Ô»»fd Gusty Wi»»fds की संभावना जताई गई है। इन जिलों में हवाएं 50-60 ॅ/ की रफ्तार से चल सकती हैं। इसको लेकर OrÔ»»fge Alert जारी किया गया है।

रांची व बोकारो से एक साथ प्रकाशित
झारखंड न्यूजलाइन
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार 18 मई 2025

सोशल मीडिया पर देह की नुमाइशः सशक्तिकरण या आत्मसम्मान का संकट?

प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आजादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है झ देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं जूम इन होती नजरों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन झ अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो।

सच पूछो तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक प्रॉडक्ट बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो।

वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मयार्दा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है।

यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें बोल्ड होने का झूठा अर्थ बदन दिखाने से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आजादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़?

सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो।

सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज देना ही अगर बोल्डनेस है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या? क्या यही है सशक्तिकरण का असली मतलब? क्या हमारा समाज वाकई इतना सतही हो गया है कि हम केवल बदन के आधार पर किसी की कीमत आंकने लगे हैं?

सोचिए, आज जो महिलाएं देह प्रदर्शन को सशक्तिकरण मान रही हैं, क्या वो सच में खुद को सशक्त महसूस करती हैं? क्या उन्हें पता है कि वो केवल एक डिजिटल उत्पाद बनकर रह गई हैं, जिनका मूल्य केवल उनके शरीर के आकार और नृत्य कौशल से मापा जाता है?

यह समस्या केवल महिलाओं की नहीं है, बल्कि उस पूरी डिजिटल संस्कृति की है, जिसने नारी शरीर को एक मनोरंजन सामग्री बना दिया है। वो शरीर जो कभी मातृत्व, प्रेम और करुणा का प्रतीक था, आज महज व्यूज और फॉलोअर्स की भूख का साधन बन गया है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आखिर सवाल यह है कि क्या देह का प्रदर्शन वाकई सशक्तिकरण है या बस एक भ्रम? क्या आज की नारी अपनी असली पहचान से दूर होती जा रही है, जहां उस-की शक्ति, बुद्धि और आत्मविश्वास की जगह सिर्फ उसके शरीर का आकार और आकर्षण ही अहम रह गया है? यह डिजिटल युग हमें नई संभावनाओं और अभिव्यक्ति की आजादी देता है, पर क्या यह स्वतंत्रता वाकई हमें आजाद कर रही है या बस एक और जाल में फंसा रही है?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ केवल कपड़ों की लंबाई या शरीर के प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। असली स्वतंत्रता है अपने विचारों, अधिकारों और आत्मसम्मान की रक्षा करना। यह वो स्वतंत्रता है, जो एक नारी को उसकी असल पहचान देती है झ एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त इंसान के रूप में।

सोशल मीडिया पर जिस दिखावे की होड़ मची है, वह केवल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की गिरावट का प्रतीक है। यह एक डिजिटल पिंजरा है, जहां औरतें खुद को स्वतंत्र मानते हुए भी एक गहरे बंधन में बंधी हुई हैं।

हमें यह समझना होगा कि असली सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता, शिक्षा और आत्मसम्मान में है, न कि केवल देह प्रदर्शन में। अगर हमें सही मायनों में नारी शक्ति को बढ़ाना है, तो हमें इस भ्रम से बाहर आना होगा और एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां औरतें अपनी पहचान अपने विचारों से बनाएं, न कि केवल अपने शरीर से।

(विचार-मंथन)

भ्रष्टाचार पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से जागी लोकतंत्र की उम्मीद

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही दिन केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की संवैधानिक ज़िम्मेदारी का प्रमाण है। 1998 में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री रहते हुए नारायण राणे ने जिस 30 एकड़ वन भूमि को बिल्डरों को सौंप दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने उसे अवैध घोषित करते हुए, भूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का आदेश दिए हैं। सुप्रीमकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है, सत्ता में बैठे लोग कानून से ऊपर नहीं हैं। वह मनमाने निर्णय नहीं ले सकते हैं। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है। जब देश में भ्रष्टाचार को लेकर गहरा अविश्वास एवं आम जनता में गुस्सा फैल रहा है। सत्ता में बैठे कई नेताओं पर गंभीर आरोप लगते हैं। वर्तमान सरकारें भ्रष्टाचारा आरोपों की जांच भी नहीं कराना चाहती हैं। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला देना, वर्तमान समय में न्यायपालिका का साहसिक संकेत है। न्यायिक प्रणाली में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और नेताओं को उनकी पोजीशन के कारण नजर अंदाज न्यायपालिका नहीं करेगी। इस फैसले ने देश में नेता-बिल्डर-अधिकारियों के उस गठजोड़ को उजागर किया है। जो पिछले कई दशकों से सरकारी एवं जनहित की भूमि को अपने लाभ के लिए बेचता आया है। यह सरकारी एवं प्राकृतिक संसाधनों की लूट है। जनता के भरोसे और उनके प्राकृतिक, मौलिक अधिकारों की हत्या भी है। सुप्रीमकोर्ट का यह फैसला विकास के नाम पर की गई लूट को अवैध रूप से कानूनी जामा पहनाने और निजी मुनाफे कमाने का जरिया हैं। इस पर सुप्रीमकोर्ट ने न्याय की गाज गिराई है। सुप्रीमकोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से भाजपा की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर भी सवाल उठना शुरू हो जाएंगे। विकास के नाम पर जिस तरह से सरकारी और सार्वजनिक स्थलों की लूट की जा रही है।

उन पर रोक लगेगी। स्वाभाविक है, नारायण राणे अभी केंद्र में मंत्री हैं। उनके बेटे राज्य सरकार में मंत्री हैं। भाजपा, केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीति वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है, तो केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले के बाद त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। केन्द्र सरकार को नारायण राणे को मंत्री परिषद से हटाना चाहिए। न्यायपालिका ने फैसला देकर अपनी भूमिका का निर्वाह किया है। अब बारी कार्यपालिका की है। कार्यपालिका भ्रष्टाचार के खिलाफ जनविश्वास को बहाल करे। यह फैसला राणे तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुप्रीमकोर्ट के आदेश बाद सभी राज्यों में ऐसे सभी सौदों की निष्पक्ष और कठोर जांच शुरू कर कार्यवाही होनी चाहिए। सुप्रीमकोर्ट का यह निर्णय आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। केंद्र एवं राज्य सरका-रों के लिए सुप्रीमकोर्ट की यह एक चेतावनी भी है। यह महज भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कानूनी फैसला भर नहीं है। यह फैसला इस बात का संदेश देता है, न्याय में भले विलंब हो जाए। दोषी को समय आने पर दंड जरूर मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आते ही न्याय के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का अहसास करना शुरू कर दिया है। न्यायपालिका पिछले कुछ वर्षों से दबाव में काम करती नजर आ रही है। सरकार और सत्ता पक्ष के राजनेताओं के खिलाफ फैसला देने से न्यायपालिका डरने लगी है। जिस तरह से सरकार ने न्यायपालिका पर दबाव बनाया है। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह फैसला न्यायपालिका के प्रति विश्वास जगाने वाला है। न्यायपालिका को लेकर आमजनों के बीच जो इमेज बन रही थी। निश्चित रूप से सुप्रीमकोर्ट के सख्त रूख से आमजनों के बीच न्यायपालिका के प्रति एक नया विश्वास जागृत होगा। भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान मजबूत होगा। सभी की जिम्मेदारी तय होगी, यही कहा जा सकता है।

पहलगाम त्रासदी : नफरत की तेज होती आंधी

राम पुनियानी

पहलगाम के पास बैसरन में 26 पर्यटकों की हत्या हाल के समय की सबसे भीषण त्र-ासदियों में से एक है। बैसरन एक अत्यंत रमणीक स्थान है जहां सिर्फ घोड़े पर सवार होकर या ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल चलकर पहुंचा जा सकता है।

इस हत्याकांड से सारा देश गहन शोक में डूब गया। यद्यपि आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या उनके धर्म की पहचान करके की थी, लेकिन हमले का शिकार होने वालों में एक स्थानीय मुसलमान घोड़े वाला, जो पर्यटकों के साथ आया था, भी था। वह तब मारा गया जब उसने आर्तकियों का विरोध किया। कश्मीरी कुलियों ने पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और कश्मीरियों ने अपने घरों और मस्जिदों के दरवाजे मेहमानों के लिए खोल दिए। कश्मीर में बंद का आयोजन किया गया और ह्यहिंदू मुस्लिम एकताह्व का संदेश देने वाले कई जुलूस निकाले गए। सारे देश में मुसलमानों और अन्यों ने मोमबत्ती जुलूस निकाले और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लगभग इन्हीं तारीखों में मोदीजी की कश्मीर यात्रा तय की गई थी। लेकिन निर्धारित तिथि के कुछ ही दिन पहले उसे रद्द कर दिया गया। घटना के समय वे सऊदी अरब में थे। घटना के बाद वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए। किंतु वापिस अपने के बाद कश्मीर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए बिहार चले गए जहां उन्होंने आतंकियों को अंग्रेजी में कड़ी चेतावनी दी। आतंकी मुसलमान थे और मारे गए लोग हिंदू थे। इसे दबे-छिपे ढंग से इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बना दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। मोदीजी ने इस बारे में कुछ अलग बात कही। इस बीच गोदी मीडिया की बन आई और उसने नफरत फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे अपने शानदार आरामदायक स्टूडियो में बैठे-बैठे पाकिस्तान के विभिन्न शहरों पर भारतीय सेना का कब्जा होने की खबरें देते रहे। गोदी मीडिया अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गया और उसने पत्र-

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान के निर्माण से साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को एक नया हथियार मिल गया और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि पाकिस्तान बनने के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं। यह पूरी तरह से इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली बात थी क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण की तीन वजहें थीं - अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति, मुस्लिम साम्प्रदायिकता और हिन्दू साम्प्रदायिकता। द्विराष्ट्र सिद्धांत सबसे पहले हिन्दुत्ववादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने पेश किया था।

कारिता की आचार संहिता के उल्लंघन का नया रिकार्ड कायम किया, जिसे वह बहुत पहले ताक पर रख चुका है।

इस सबका सबसे बुरा नतीजा मुसलमानों के प्रति नफरत में बढ़ोत्तरी के रूप में सामने आया। सारा देश इस्लामोफोबिया के सैलाब में डूब गया और इसकी तीव्रता और स्तर अकल्पनीय ऊंचाई तक पहुंच गए। लातूर में एक मुसलमान पर पाकिस्तानी होने का लेबिल चस्पा कर उसकी बुरी तरह पिटाई गई। उसे इतना अपमान महसूस हुआ कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तराखंड के एक हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों को आधी रात को बाहर निकाल दिया गया और उन्हें देहरादून विमानतल के बाहर रात बितानी पड़ी। सबसे बुरी हरकत मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने की। उन्होंने भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी को ह्यआतंकवादियों की बहनह्व बताया। बाद में बात संभालने के लिए उन्होंने माफी मांग ली।

सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एंड सेक्यूलरिज्म, मुंबई की मिथिला राऊत ने दैनिक लोकसत्ता (मराठी) में प्रकाशित अपने एक लेख में विभिन्न समाचारपत्रों में छपी खबरों के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ हुई नफरत-जनित हरकतों की जानकारी प्रस्तुत की है। उनके लेख के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद कई मुस्लिम विरोधी घटनाएं हु-ईं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं में से एक उत्तरप्रदेश के शामली के ठोडा गांव में हुई जहां गोविंद ने सरफराज पर हमला किया। गोविंद ने कहा कि तुमने हमारे 26 मारे हम भी तुम्हारे 26 मारेंगे! पंजाब के डेरा बस्सी में यूनिवर्सल समूह के छात्रावास में कश्मीरी छात्रों पर हमला किया गया।

मसूरी में रहने वाले शब्बीर धर नाम के एक कश्मीरी, जो शाल बेचते थे, और उनके सहायक पर हमला किया गया और उन्हें पहलगाम की हत्याओं का कुसूरवार बताते हुए धमकाया गया कि यदि वे दुबारा वहां नजर आए तो बहुत बुरा होगा। हरियाणा के रोहतक नाम के गांव में मुस्लिम निवासियों को धमकाया गया और उनसे 2 मई तक गांव छोड़ देने के लिए कहा गया।

ये तो केवल कुछ घटनाएं हैं जिनका विवरण समाचारपत्रों से पता लगा है। लेकिन इनसे यह साफ जाहिर है कि नफरत किस हद तक बढ़ गई है। समाज में माहौल धीरे-धीरे खराब हो रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने पहले से ही मुस्लिम विरोधी वातावरण बनाया हुआ है। शुरूआत में आरएसएस शाखाओं में मध्यकालीन इतिहास को तोड़-मरोड़ कर मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाई गयी। हाल के कुछ सालों में गोदी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए मुसलमानों की शत्रु की छवि बनाई गई।

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान के निर्माण से साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को एक नया हथियार मिल गया और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि पाकिस्तान बनने के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं। यह पूरी तरह से इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली बात थी क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण की तीन वजहें थीं - अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति, मुस्लिम साम्प्रदायिकता और हिन्दू साम्प्रदायिकता। द्विराष्ट्र सिद्धांत सबसे पहले हिन्दुत्ववादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने पेश किया था।

पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे। इन सभी तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए मुसलमानों को पंडितों के पलायन की मुख्य वजह बताते हुए उनके प्रति घृणा को और बढ़ाया गया।

इस तरह एक के बाद एक कई मसलों का इस्तेमाल भारतीय मुसलमानों को सताने के लिए किया गया। इन दिनों भाईचारे की बातें बहुत कम सुनायी पढ़ती हैं और हर घटना का इस्तेमाल मुसलमानों के प्रति पहले व्याप्त नफरत को और बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस नफरत का इस्तेमाल आरएसएस-भाजपा हिंदू राष्ट्र के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं।

(चिंतन-मनन)

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।

ऍसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम –दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं।

पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

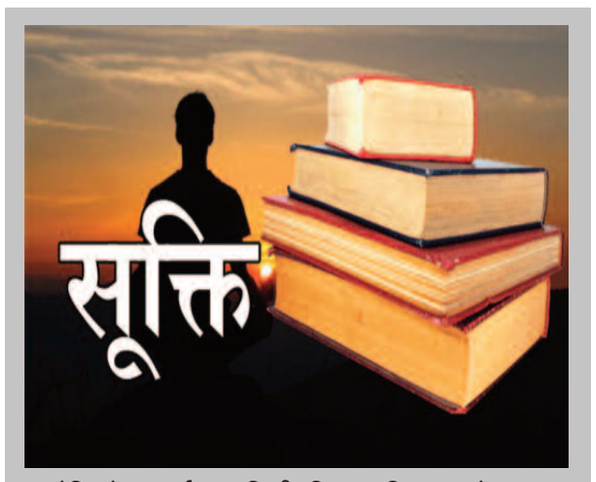

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मजबूत गुण होता है। – अज्ञात

साफ सुथरे सादे परिधान में ऐसा यौवन होता है जिसमें अधिक उम्र छिप जाती है। – अज्ञात

स्किल्स की कमी के कारण युवाओं को नहीं मिल पा रहा है रोजगार

क्या आपको डिग्री करने के बाद भी प्राइवेट सेक्टर में नौकरी नहीं मिल पा रही है या जॉब इंटरव्यू में रिजेक्शन फेस करने पड़ रहे हैं या जॉब में नियमित ग्रोथ नहीं मिल पाती है, क्या आपने कभी इन सबके पीछे की वजह के बारे में सोचा है। इन सभी समस्याओं का कारण है 'डिजिटल स्किल्स' की कमी होना।

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2022 के अनुसार – भारत के कुल युवाओं में केवल 48.7 फीसद ही रोजगार योग्य हैं। इसका मतलब है कि हर 2 में से एक युवा रोजगार के योग्य नहीं हैं। व्ही–बॉक्स द्वारा जारी एक अध्ययन में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल सभी कंपनियों में से लगभग 75 फीसद ने उद्योग में कौशल की कमी की सूचना दी है। जोकि अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण विषय है कई बार हम यह भी देखते हैं कि नॉन–कम्प्यूटर जैसे सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग करके निकलने वाले युवाओं को भी आसानी से नौकरी नहीं मिल पाती है। आज दुनियाभर में टेक्नोलॉजी तेजी से बढ़ रही है। एक आंकड़े के मुताबिक, वर्तमान समय में दुनिया की एक बड़ी आबादी के करीब 6 बिलियन लोग इंटरनेट यूज कर रहे हैं, तब इन युवाओं को जॉब रेडी होने के लिए नए जमाने की स्किल्स सीखना जरूरी हो जाता है, जिसके बाद करिअर या व्यापार में आसानी से कम समय में अधिक ऊंचाई हासिल की जा सकती है।

इन 6 फील्ड में मिलेंगे लाखों जॉब्स के मौके

अगर आप ग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं या B.A, B.Sc, B.com, BC, सिविल व मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसे कोर्सेज में अध्ययनरत हैं तो आपके पास डिजिटल स्किल्स सीखकर बड़े पैकेज वाली आकर्षक नौकरी पाने का सुनहरा मौका है। डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद से अब तक अनेक युवाओं को लाखों के पैकेज वाली जॉब मिल चुकी है। ऐसे में आप भी इन फ़ील्ड्स में अपना शानदार करिअर बना सकते हैं –

- डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन एक्सपर्ट
- सोशल मीडिया मार्केटिंग एक्सपर्ट
- क्रिएटिव कांटेंट राइटर/कॉपी राइटर
- PPC एक्सपर्ट
- गूगल Ads एक्सपर्ट

ग्राफिक्स डिजाइनिंग में बनाएं भविष्य

इसके अलावा युवा ग्राफिक्स डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी करिअर बना सकते हैं। सफलता से ग्राफिक डिजाइनिंग का कोर्स करने के बाद कैंडिडेट्स के लिए वेबसाइट क्रिएटिव डिजाइन, एडवरटाइजिंग एजेंसी, पब्लिकेशन हाउस, कम्प्यूटर गेम्स, कॉर्पोरेट आइडेंडिटी जैसी कई अन्य जगहों पर आकर्षक वेतन वाली नौकरी के अवसर खुल जाते हैं।

लाखों के पैकेज के साथ शुरू हुआ करिअर

डिजिटल मार्केटिंग का कोर्स करके पांच लाख का पैकेज हासिल करने वाले कार्तिकेय सिंह कहते हैं, 'मैंने कोर्स पूरा करने के बाद बतौर डिजिटल मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव के तौर पर नई पारी शुरू की है।'

इस कोर्स में क्या है खास

- 100 % प्लेसमेंट
- 100 घंटे लाइव इंटरेक्टिव क्लासेज
- 20 लर्निंग टूल्स
- 10 इंडस्ट्री बेस्ड मॉड्यूल्स
- 8 से अधिक लाइव प्रोजेक्ट और केस स्टडीज
- गूगल सर्टिफाइड एक्सपीरिएंस्ड फैकल्टीज
- साप्ताहिक डाउट क्लीयरिंग सेशन
- इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा मास्टर क्लास

सफलता के साथ बनाएं अपना करिअर

कई सालों से अगर आप सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं फिर भी आपको सफलता नहीं मिली है तो आप सफलता के डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइन जैसे स्किल डेवलपमेंट कोर्सेज का हिस्सा बनकर डिजिटल सेक्टर में कम समय में आकर्षक पैकेज वाली नौकरी हासिल कर सकते हैं ।

ये 5 स्किल सीखकर बनें डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट

एक शोध में सामने आया है कि आने वाले सालों में जिन क्षेत्रों में 85 फीसद नौकरियां क्रिएट होंगी वह डिजिटल मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डाटा साइंस जैसे क्षेत्र होंगे। अगर आप भी बेरोजगार हैं और नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो सफलता के एडवांस्ड डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद से इस क्षेत्र में शानदार करिअर बना सकते हैं।

किसी उत्पाद या सेवा की डिजिटल टेक्नोलॉजी (इंटरनेट, मोबाइल डिवाइस, सोशल मीडिया, सर्च इंजन व अन्य चैनल) के जरिए होने वाली मार्केटिंग को डिजिटल मार्केटिंग कहते हैं। डिजिटल मार्केटिंग का लक्ष्य एक असीमित ग्राहक संख्या तक कम समय में पहुंचना होता है। डेल कंपनी द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचर के साथ किए गए एक शोध में सामने आया है कि आने वाले सालों में जिन क्षेत्रों में 85 फीसद नौकरियां क्रिएट होंगी वह डिजिटल मार्केटिंग, ग्रॉफिक्स डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डाटा साइंस जैसे क्षेत्र होंगे। इसकी शुरूआत भी हो चुकी है बीते वर्ष डिजिटल मार्केटिंग विश्व की टॉप 5 नौकरियों में शामिल रहा है। इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि डिजिटल सेक्टर में करिअर बनाने जा रहे युवाओं का भविष्य उज्ज्वल है। अगर आप भी अपना करिअर डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में बनाने की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता के एडवांस्ड डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद ले सकते हैं।

इन 5 स्किल्स से बनें डिजिटल एक्सपर्ट

स्ट्रैटिजिक थिंकिंग – आजकल कंपनियों में स्ट्रैटिजिक थिंकर्स की काफी डिमांड है। अगर आप किसी कंपनी के साथ जुड़ने पर बिजनेस ग्रो करने के लिए मार्केटिंग प्लान तैयार करने और उन्हें इम्प्लीमेंट करना जानते हैं तो डिजिटल सेक्टर में स्किल हासिल कर अपना करिअर बना सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग चैनल्स – डिजिटल सेक्टर में सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, पे पर क्लिक एडवरटाइजिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ई मेल मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग जैसे फील्ड्स में ढेरों नौकरी अवसर हैं। अगर आप डिजिटली स्किल्ड हैं तो डिजिटल सेक्टर में शानदार करिअर बना सकते हैं।

एनालिटिक्स – वहीं आजकल कंपनियों में बिजनेस एनालिसिस्ट की काफी डिमांड है। अगर आप एनालिटिकल टूल्स, गूगल एनालिटिक्स आदि को चलाना जानते हैं तो डिजिटल सेक्टर में करिअर बना सकते हैं।

कंटेंट क्रिएशन – आजकल लाखों वेबसाइट्स बेहतर कंटेंट को क्रिएट कर अपने उत्पाद, सेवाओं को लोगों तक पहुंचा रहे हैं। कंटेंट क्रिएशन आज के समय में मार्केटिंग सेक्टर में एक महत्वपूर्ण टूल है। इससे आप लक्षित ग्राहक संख्या तक आसानी से पहुंच सकते हैं।

मार्केटिंग टूल्स एंड डिजाइन स्किल्स – मौजूदा समय में कंपनियों में मार्केटिंग टूल्स की समझ रखने वाले और डिजाइन स्किल्स जानने वालों के लिए भी बहुत मौके हैं। मार्केटिंग टूल्स जानने वाले मार्केटिंग प्रक्रिया को आसान बना सकते हैं। वहीं जो लोग एडोब, कैनवा जैसे सॉफ्टवेयर इस्तेमाल करना जानते हैं वह डिजिटल सेक्टर में आकर्षक पैकेज पर जॉब हासिल कर सकते हैं।

कई सालों से अगर आप सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं फिर भी आपको सफलता नहीं मिली है तो आप सफलता के डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइन जैसे स्किल डेवलपमेंट कोर्सेज का हिस्सा बनकर डिजिटल सेक्टर में कम समय में आकर्षक पैकेज वाली नौकरी हासिल कर सकते हैं।

हर क्षेत्र में बेहतर भविष्य की राह अर्थशास्त्र

अर्थशास्त्र को एक ऐसे विषय के तौर पर देखा जा सकता है, जिसकी उपयोगिता लगभग हर क्षेत्र में होती है। सरल शब्दों में कहें तो अर्थशास्त्र समाज के सीमित संसाधनों का दक्षतापूर्ण ढंग से उपयोग करने की अनेक प्रणालियों का अध्ययन है। इसी बुनियादी नियम पर हमारी व्यावसायिक व आर्थिक इकाइयों की गतिविधियां टिकी होती हैं। अर्थशास्त्री आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण और विभिन्न नीतिगत विकल्पों का तुलनात्मक अध्ययन करते हैं। साथ में इनके भावी प्रभाव पर पैनी नजर रखते हैं, ताकि विकास दर पर नियंत्रण रखा जा सके। अर्थशास्त्री इसी दृष्टिकोण से काम करते हैं। इनका कार्यक्षेत्र एक छोटी कंपनी से लेकर देश की अर्थव्यवस्था जैसा बहुआयामी भी हो सकता है।

अर्थशास्त्र में सफल पेशेवर बनने के लिए आपमें उपलब्ध डाटा का विश्लेषण कर पाने की क्षमता का बेहतर होना जरूरी है। इसी क्रम में मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स की बुनियादी समझ बेहद जरूरी है। आर्थिक विषमताओं/स्थितियों को समझने–बूझने का निरीक्षण कौशल भी इसमें आगे बढ़ने के लिए जरूरी है।

अर्थशास्त्र 12वीं स्तर पर एक विषय के तौर पर पढ़ाया जाता है, पर इस विषय में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए अर्थशास्त्र से बीए (ऑनर्स) कोर्स से असली शिक्षा की शुरुआत होती है। हालांकि अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन के स्तर पर कई अन्य कोर्सेज भी संचालित किए जाते हैं। इनमें बीए(बिजनेस इकोनॉमिक्स), बीए(डेवलपमेंटल इकोनॉमिक्स) जैसे कोर्स का नाम लिया जा सकता है। देश के कई विश्वविद्यालयों में ये तमाम कोर्स कराये जाते हैं। अर्थशास्त्र से जुड़े विभिन्न कोर्सेज की मांग इसी बात से समझी जा सकती है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में इसके ग्रेजुएट स्तर के कोर्स में प्रवेश पाने के लिए 90 फीसदी से अधिक अंक चाहिए होते हैं।

विशेषज्ञता की ओर बढ़ाएं कदम

ग्रेजुएशन में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को मास्टर्स स्तर पर अर्थशास्त्र की कई शाखाओं में विशेषज्ञता अर्जित करने के लिए विकल्प दिए जाते हैं। इनमें प्रमुख रूप से एनालिटिकल एंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, कॉर्पोरेशन एंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स, इंडियन इकोनॉमिक्स का विशेष रूप से उल्लेख किया जा सकता है। इनके अलावा इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स ,बिजनेस इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स, एन्वायर्नमेंटल इकोनॉमिक्स, बैंकिंग इकोनॉमिक्स व रूरल इकोनॉमिक्स भी उल्लेखनीय हैं। छात्र चुनिंदा विश्वविद्यालयों में उपलब्ध एमबीए (बिजनेस इकोनॉमिक्स) कोर्स का भी लाभ उठा सकते हैं। अर्थशास्त्र में पीजी डिप्लोमा और पीएचडी की राह भी चुन सकते हैं। देश के ज्यादातर सरकारी विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र से जुड़े कोर्सेज उपलब्ध हैं।

इंडियन इकोनॉमिक सर्विस

कम ही लोग जानते होंगे कि देश में इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस की तरह इंडियन इकोनॉमिक सर्विस भी है। इसमें उपयुक्त प्रत्याशियों के चयन के लिए अखिल भारतीय स्तर पर यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करती है। इस परीक्षा में अर्थशास्त्र/स्टैटिस्टिक्स विषय में कम से कम मास्टर्स डिग्रीधारक युवा ही शामिल हो सकते हैं। प्रत्याशी की आयु 21 वर्ष से लेकर 30 वर्ष तक होनी चाहिए। इस परीक्षा में लिखित परीक्षा के बाद इंटरव्यू लिया जाता है। लिखित परीक्षा में जनरल इंग्लिश, जनरल नॉलेज व अर्थशास्त्र पर आधारित अन्य पेपर्स होते हैं। यह केंद्र सरकार की ग्रुप 'ए' सर्विस है। सफल प्रत्याशियों को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, दिल्ली में प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके बाद इनकी पहली नियुक्ति सहायक निदेशक के पद पर होती है। कार्यानुभव बढ़ने के साथ पदोन्नति पाते हुए प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर के पद तक पहुंच सकते हैं।

विदेश में नौकरी के अवसर

अर्थशास्त्र के विशेषज्ञों को विदेशी संस्थानों जैसे इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक के अलावा मल्टी नेशनल कंपनियों में शानदार मौके मिलते हैं। इनकी नियुक्तियां अर्थशास्त्री, नीति–निर्माता, एनालिस्ट, कंसल्टेंट आदि रूपों में होती हैं। विदेशों के सरकारी संस्थानों में भी भारतीय आर्थिक विशेषज्ञों की अच्छी–खासी मांग है। विदेश में बतौर रिसर्च स्कॉलर/प्राध्यापक के पदों पर आकर्षक पैकेज पर नियुक्तियां होती हैं।.

इस विशिष्ट कोर्स का उठाएं लाभ

देश के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन स्तर पर तीन वर्षीय बैचलर ऑफ बिजनेस इकोनॉमिक्स कोर्स उपलब्ध है। प्राय : परीक्षा के जरिये इस कोर्स की सीमित सीटों पर प्रवेश दिया जाता है। प्रवेश परीक्षा में वर्बल एबिलिटी, क्वांटिटेटिव एबिलिटी, लॉजिकल रीजनिंग, जनरल अवेयरनेस से जुड़े ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न पूछे जाते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के दस कॉलेजों में यह विशिष्ट कोर्स कराया जाता है। इनमें लगभग 480 सीटों पर प्रवेश दिया जाता है।.

रोजगार के अवसर

निजी क्षेत्र की तमाम औद्योगिक इकाइयों, बैंकिंग सेक्टर, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन, कॉमर्स, टैक्सेशन, इंटरनेशनल ट्रेड, एक्चुरियल साइंस आदि में इस क्षेत्र के पेशेवरों की मांग बनी रहती है। हर साल सरकारी क्षेत्र में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नीति आयोग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी, नेशनल सैम्पल सर्वे तथा विभिन्न राज्य सरकारों के संबंधित विभागों आदि में बड़ी संख्या में अर्थशास्त्रियों की नियुक्तियां की जाती है। अर्थशास्त्र का शिक्षक भी बना जा सकता है।

चुनौतियां

- ग्रेजुएशन के बाद ही इस क्षेत्र में रोजगार के विकल्प बनते हैं। लेकिन ज्यादा अवसर उपलब्ध हो पाएं, उसके लिए उच्च अध्ययन की ओर कदम बढ़ाना जरूरी होता है।
- चूंकि इस क्षेत्र में आर्थिक विश्लेषण के लिए स्टैटिस्टिक्स, कैल्कुलस और ऊंचे दर्जे की गणित का इस्तेमाल होता है, इसलिए छात्रों को अनिवार्य रूप से गणित विषय पसंद होना चाहिए।
- अर्थशास्त्र की पढ़ाई को गंभीरता से लें। बीए (ऑनर्स) अर्थशास्त्र के सिलेबस को काफी कठिन माना जाता है।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली
- जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- यूनिवर्सिटी ऑफ बॉम्बे, मुंबई
- बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, कोलकाता

इंडियन नेवी का हिस्सा नहीं है मर्चेंट नेवी

अगर आपको समुद्र की लहरें अपनी ओर खींचती हैं और आपको घूमना–फिरना भी काफी पसंद है तो आप अपने इस शौक से जुड़ा ही कॅरियर विकल्प चुन सकते हैं और वह है मर्चेंट नेवी। अक्सर लोग मर्चेंट नेवी को इंडियन नेवी का हिस्सा समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में यह उससे बिल्कुल अलग है। यह एक कमर्शियल फील्ड है, जिसमें समुद्री जहाजों के जरिये एक जगह से दूसरी जगह सामान और यात्री को लाया ले जाया जाता है। चूंकि यह कार्य बड़े समुद्री जहाज के जरिए किया जाता है और उसके लिए प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होती है इसलिए मर्चेंट नेवी में कॅरियर के भी कई विकल्प मौजूद हैं–

क्या होता है काम

मर्चेंट नेवी में व्यक्ति अपनी योग्यता व स्किल्स के आधार पर अलग–अलग पदों पर काम करता है। आप वहां पर समंदर के नक्शों से लेकर इलेक्टानिक सामान की देखभाल, शिप का संचालन व यात्रियों को अन्य प्रकार की सेवाएं आदि प्रदान कर सकते हैं।

स्किल्स

चूंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको घर से कई–कई दिनों तक दूर रहना पड़ता है, इसलिए मेंटली रूप से आपका इसके लिए तैयार होना जरूरी है। साथ ही आपको अपने काम के प्रति प्यार होना चाहिए, तभी आप लंबे समय तक काम कर पाएंगे। मर्चेंट नेवी में लोगों को टीमवर्क में काम करना होता है, इसलिए आपके अंदर यह गुण होना भी बेहद जरूरी है। वहीं इस क्षेत्र में आपको कभी भी जोखिम भरी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, इसके लिए भी आपको हमेशा तैयार रहना होता है।

योग्यता

इस क्षेत्र में अलग–अलग पोस्ट के लिए अलग–अलग योग्यता की जरूरत होती है। इस फिल्ड में 10वीं पास से लेकर बीटेक डिग्री वाले लोग अपना करियर देख सकते हैं। हालांकि इस क्षेत्र में समय सीमा निर्धारित है। इस फिल्ड में जाने के लिए आपकी उम्र सीमा 16 से 25 साल के बीच होनी चाहिए। आप अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर कोर्स करके मर्चेंट नेवी में कॅरियर बना सकते हैं। जैसे 10वीं पास वाले व्यक्ति मर्चेंट नेवी में डिप्लोमा कर सकते है। वहीं अगर आपने 12वीं साइंस स्ट्रीम से पास की है तो आप नॉटिकल साइंस, मरीन इंजीनियरिंग, ग्रेजुएट मेकेनिकल इंजीनियर्स का कोर्स कर सकते है। स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए आपके पास ग्रेजुएशन में 50 प्रतिशत अंक व आयु 28 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

संभावनाएं

मर्चेंट नेवी में प्रोफेशनल कोर्स करने के बाद आप काम की संभावनाएं कई जगहों पर व कई पदों तक काम की तलाश कर सकते हैं। आप मालवाहक जहाजों से लेकर कंटेनर जहाजों, टैंकरों, थोक वाहक, और यात्री जहाजों आदि में बतौर रेडियो ऑफिसर, इलेक्टिकल ऑफिसर, जूनियर इंजीनियर, नॉटिकल सर्वेयर व कप्तान के रूप में काम कर सकते हैं। चूंकि इस क्षेत्र में प्राइवेट और सरकारी दोनों कंपनियां काम करती हैं तो आप सरकारी संस्थान में भी नौकरी के अवसर तलाश सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके पद व अनुभव के आधार पर तय होती है। इस क्षेत्र में शुरूआती सैलरी पद के हिसाब से 15000 से शुरू होकर 50000 तक जाती है। वहीं अनुभव व पद बढ़ने के साथ–साथ आप लाखों में कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- समुद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेरीटाइम, मुंबई
- मेरीटाइम फाउंडेशन, चेन्नई
- ट्रेनिंग शिप चाणक्य, मुंबई
- इंस्टीट्यूट ऑफ मरीनटाइम स्टडी, गोवा
- हिन्द इंस्टीट्यूट ऑफ नॉटिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग, उत्तरप्रदेश
- इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मरीन इंजीनियरिंग, कोलकाता
- तोलानी मेरीटाइम इंस्टीट्यूट, दिल्ली
- महाराष्ट्र एकेडमी ऑफ नेवल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग, पुणे
- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- कोयम्बटूर मरीन सेंटर, कोयम्बटूर

रांची व बोकारो से एक साथ प्रकाशित
झारखंड न्यूजलाइन
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार 18 मई 2025

वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में बच्चों की एंट्री मुफ्त

- टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए वेस्टइंडीज बोर्ड का बड़ा फैसला,

बारबाडोस । दुनियाभर में टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है और इसे बचाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और तमाम क्रिकेट बोर्ड्स नए-नए कदम उठा रहे हैं। हाल ही में आईसीसी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पुरस्कार राशि को दोगुना कर दिया है, वहीं अब वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने टेस्ट क्रिकेट को बच्चों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए एक अनोखा फैसला लिया है। सीडब्ल्यूआई ने घोषणा की है कि वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान बच्चों को स्टेडियम में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना पड़ेगा। इस फैसले का मकसद युवा पीढ़ी में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुचि जगाना है। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के सीईओ क्रिस डेह्रिंग ने इस पहल की जानकारी देते हुए कहा कि बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल, ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम और जमैका के सबीना पार्क में होने वाले तीनों टेस्ट मैचों के दौरान सभी बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। केंसिंग्टन ओवल में आयोजित डब्ल्यूआई होम फुल आह एनर्जी कैंपेन के लॉन्च के दौरान डेह्रिंग ने कहा कि यह निर्णय वेस्टइंडीज क्रिकेट की एक नई नीति के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य टेस्ट क्रिकेट को फिर से जीवंत करना है। उन्होंने कहा, ह्लसीडब्ल्यूआई में हम मानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट तक बच्चों की पहुंच एक मानवाधिकार है। यह जरूरी है कि हमारे बच्चे इस पारंपरिक फॉर्मेट से जुड़ सकें और इसके लिए किसी भी प्रकार की वित्तीय रुकावट उनके सामने न हो।ह्व उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को किसी टिकट की जरूरत नहीं होगी, यह उनका अधिकार है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब यह अधिकार बच्चों का है, तो यह माता-पिता, सरकारों और समाज की जिम्मेदारी है कि वे इस अधिकार को बच्चों तक पहुंचाएं।

वहीं, सीडब्ल्यूआई के अध्यक्ष डॉ. किशोर शैलो ने उम्मीद जताई है कि इस पहल से स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में इजाफा होगा और टेस्ट मैचों का माहौल पहले की तरह जोशभरा होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस उम्र तक के बच्चों को मुफ्त प्रवेश की सुविधा मिलेगी। वेस्टइंडीज का यह कदम निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट को नई पीढ़ी में पुनर्जीवित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है।

आरसीबी के पास इस बार खिताब जीतने का सुनहरा मौका: सुरेश रैना

नई दिल्ली । आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शानदार लय में नजर आ रही है और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार टीम के पास खिताब जीतने का बेहतरीन मौका है। विराट कोहली की कप्तानी में 2016 में फाइनल तक पहुंची बेंगलुरु की टीम उस साल सनराइजर्स हैदराबाद से हार गई थी, लेकिन अब टीम के प्रदर्शन में निखार आया है। रैना ने कहा कि बेंगलुरु इस बार अलग स्तर की क्रिकेट खेल रही है। उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में कम स्कोर 150 और 136 रन का सफलतापूर्वक बचाव कर दिखाया है, जो उनके गेंदबाजी आक्रमण की मजबूती को दशार्ता है। इसके साथ ही नए कप्तान के नेतृत्व

में टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स जैसी मजबूत टीम को दो बार हराया है, जो उनके आत्मविश्वास और रणनीति का प्रमाण है। रैना ने आगे कहा कि ड्रेसिंग रूम में पॉजिटिव माहौल है और खिलाड़ी एकजुटता के साथ खेल रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स जैसी टीमें भी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन यह साल विराट कोहली का हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोहली इस साल आरसीबी को पहली बार आईपीएल ट्रॉफी दिला सकते हैं, जिससे 18 साल का इंतजार खत्म हो सकता है। रैना ने सोमवार को एक ट्वीट में भी कोहली की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने लिखा, ह्लआपकी टेस्ट क्रिकेट में जुनून और नेतृत्व ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है, भाई! प्यार और सम्मान।ह्व कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी और अब 10 दिन के ब्रेक के बाद वे आईपीएल में वापसी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नए पोप लियो-14 आज ले रहे हैं शपथ: वेटिकन में ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन, विश्वभर से नेता और श्रद्धालु पहुंचे

वेटिकन सिटी,। वेटिकन के सेंट पीटर स्क्वायर में आज रविवार को एक ऐतिहासिक अवसर पर नए पोप लियो-14 का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए दुनियाभर के शीर्ष नेता, राजनयिक प्रतिनिधि और हजारों श्रद्धालु वेटिकन पहुंचे हैं। यह समारोह भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू हो रहा है। परंपरा के अनुसार, शपथ ग्रहण से पहले नए पोप सेंट पीटर की कब्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जो सेंट पीटर बेसिलिका के अंदर स्थित है। माना जाता है कि सेंट पीटर पहले पोप थे और ईसा मसीह के शिष्य होने के साथ-साथ पेशे से मछुआरे भी थे। करीब दो घंटे तक चलने वाले इस समारोह में नए पोप को विशेष धार्मिक वस्त्र (पलियम) और मछुआरे की अंगूठी (रिंग ऑफ द फिशरमेन) प्रदान की जाएगी। धार्मिक वस्त्र पोप के पदभार ग्रहण का प्रतीक होता है, जबकि अंगूठी उन्हें कैथोलिक चर्च का आधिकारिक प्रमुख और सेंट पीटर का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी घोषित करती है।

कैलिफोर्निया में बम धमाके में एक की मौत, चार घायल

एफबीआई निदेशक ने घटना को आतंकवादी कृत्य बताया

वाशिंगटन,। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक बम धमाके से इलाके में दहशत फैल गई। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस धमाके को आतंकवादी कृत्य घोषित करते हुए गहन जांच शुरू कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई। बताया जा रहा है कि अमेरिकी रिप्रोडक्टिव सेंटर के बाहर एक कार खड़ी थी उसके आसपास ही यह भीषण विस्फोट हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट में एफबीआई के लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस के सहायक निदेशक ने इस घटना को आतंकवाद का कृत्य बताया है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम इस मामले की पूरी गंभीरता से जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का आतंकवाद है या फिर घरेलू आतंकवाद का मामला। जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने फिलहाल और कोई विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया है। अमेरिकन रिप्रोडक्टिव सेंटर के डॉक्टर अब्दुल्ला ने धमाके पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विस्फोट की आवाज सुनकर सभी सहम गए थे लेकिन उन्होंने दृढ़ता दिखाते हुए कहा कि इस तरह के हादसे उन्हें डरा नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्लिनिक अपने मरीजों की सेवा जारी रखेगा।

रोहित ने मजाकिया अंदाज में प्रशंसक को मुक्का दिखाया

मुम्बई । भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट प्रारुप से संन्यास लिया है। इसके बाद रोहित का वानखेडे स्टेडियम में सम्मान किया गया। इस दौरान रोहित ने माता पिता के त्याग और बलिदान को भी याद किया। वे समारोह में अपने प्रशंसकों से भी मिले। इस दौरान वह एक प्रशंसक को हंसी-मजाक में मुक्का दिखाते दिखे। इसके अलावा छोटे भाई को डांटने का उनका वीडियो भी वायरल हुआ है।

रोहित ने अपने एक प्रशंसक दीपक पटेल के साथ भी हंसी मजाक किया। दीपक को भारतीय झंड लहराते हुए देखकर रोहित ने कुछ समय के लिए उनसे बातचीत की और एक तस्वीर भी खिंचवाई। रोहित जब स्टेडियम में मंच की ओर बढ़ रहे थे तो तभी एक प्रशंसक ने उन्हें आवाज दी। वह रोहित से हाथ मिलाने का प्रयास कर रहा था। तब रोहित ने आगे बढ़कर उससे हाथ मिलाया।

मुंबई ने स्टेडियम में रोहित ने माता-पिता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ खड़े होकर स्विच दबाया जिससे ह्लरोहित शर्मा स्टैंडह्व का अनावरण हुआ। इस पल को रंगीन आतिशबाजी ने और भी खूबसूरत बना दिया। इस रोहित की पत्नी, रितिका बेहद खुश नजर आयीं। इससे पहले इस स्टेडिया में पूर्व भारतीय कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम पर भी स्टैंड बना है। रोहित ने कहा कि अपने नाम पर स्टैंड बनना और दिग्गजों के साथ नाम आने की उन्होंने कल्पन तक नहीं की थी।ह्व

बिना रोहित-विराट के इंग्लैंड में भारत की अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है, लेकिन इस बार टीम इंडिया मैदान पर एक अलग ही रूप में नजर आएगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह पहली बार होगा जब भारतीय टीम इन दोनों दिग्गजों के बिना टेस्ट मुकाबलों में इंग्लैंड से भिड़ेगी।

भारत का ऐतिहासिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में कमजोर रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 136 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने केवल 35 में जीत दर्ज की है जबकि इंग्लैंड ने 51 मैचों में बाजी मारी है। वहीं, 50 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भारत को इंग्लैंड पर पकड़ मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।हालांकि, पिछली सीरीज में भारत ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी थी। 2024 की घरेलू सीरीज में भारत ने पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की थी। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल ने बल्ले से कहर बरपाते हुए 712 रन बनाए थे जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 26 विकेट झटके थे। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 407 रन बनाए और टॉम हार्टले ने 22 विकेट हासिल किए थे। इस बार सीरीज का पहला मुकाबला 20 से 24 जून तक खेला जाएगा, जबकि आखरी टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच होगा। बाकी

टेस्ट मैच क्रमशः 2-6 जुलाई, 10-14 जुलाई और 23-27 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे।वहीं टीम इंडिया के कप्तान को लेकर चर्चाएं जोरों पर हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार शुभमन गिल को कप्तानी सौंपी जा सकती है। चयन समिति की बैठक 23 या 24 मई तक होने की उम्मीद है। गिल पहले ही लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में उप-कप्तान की भूमिका निभा चुके हैं और उन्होंने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज में भारत का नेतृत्व भी किया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि युवा जोश से लैस भारतीय टीम इंग्लैंड जैसी अनुभवी टीम के खिलाफ कैसे प्रदर्शन करती है और क्या गिल के नेतृत्व में भारत टेस्ट इतिहास में नया अध्याय लिख पाएगा।

कोलकाता में ही खेला जाएगा आईपीएल फाइनल : गांगुली

कोलकाता । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल की मेजबानी कोलकाता के ईडन गार्डन की जगह किसी अन्य स्थल को दिये जाने की चचाओं के बीच ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि ये इतना आसान नहीं है। गांगुली के अनुसर बंगाल बोर्ड (कैब) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अच्छे संबंध हैं। इसलिए उन्हें पूरा भरोसा है कि फाइनल कोलकाता से बाहर नहीं जाएगा। शुरूआत में फाइनल कोलकाता में 25 मई को खेला जाना तय था पर बीच में भारत-पाकिस्तान के बची टकराव के कारण आईपीएल एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। दौबारा शुरू होने पर बोर्ड ने तीन जून को खेले जाने वाले फाइनल के स्थल की जानकारी नहीं दी। ये कहा जा रहा है कि इस दिन कोलकाता में बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल किसी अन्य स्थल पर खेला जाएगा।

कैब के पूर्व अध्यक्ष रहे गांगुली से जब पूछा

गया कि क्या कोलकाता तय कार्यक्रम के अनुसार ही फाइनल मैच की मेजबानी करेगा तो उन्होंने कहा, ह्यहम प्रयास कर रहे हैं। साथ ही कहा कि है? यह ईडन का प्लेऑफ है, और मुझे भरोसा है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा क्योंकि मैच को अचानक ही किसी दूसरे स्थल पर ले जाना आसान नहीं है। इसी बीच प्रशंसकों ने भी मांग की है कि फाइनल कोलकाता में ही खेल जाना चाहिये।

गांगुली ने कहा कि विरोध से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं प्लेऑफ स्थलों को तय करने में हो रही पर गांगुली ने कहा, ह्यकोलकाता नाइट राइडर्स ने इस मैदान पर अपने लीग मैच खेले हैं, इसलिए कोलकाता पहली सूची में शामिल नहीं है।ह्व ईडन गार्डन को 2024 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के कारण इस सत्र के फाइनल के मेजबानी का अधिकार मिला था। इस स्थल में ही आईपीएल का उद्घाटन मैच भी खेला गया था। वहीं बीसीसीआई ने हालांकि फाइनल के लिए नए स्थल के बारे में जानकारी नहीं दी है। जिससे भी कई प्रकार की अटकलें चल रही हैं। बदलाव के पीछे का कारण मौसम की भविष्यवाणी माना जा रहा है, क्योंकि कोलकाता से ही दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरूआत होती है

बेहद सादा और अनुशासित जीवन है विराट की सेहत का राज

नई दिल्ली । दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने आखिरकार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। आजकल उनकी बेमिसाल फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी रही। विराट की मैदान में ऊर्जा और स्टैमिना का राज सिर्फ जिम या वर्कआउट नहीं, बल्कि उनका बेहद सादा और अनुशासित जीवन है। विराट कोहली की दिनचर्या और डाइट बेहद संतुलित और साफ-सुथरी है। कोहली ने हमेशा अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दी और फिटनेस को लेकर उनकी गंभीरता सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। वे सुबह जल्दी उठते हैं और दिन की शुरूआत पानी पीने से करते हैं। वे नींबू पानी या शहद मिलाकर खुद को हाइड्रेट रखते हैं। इसके बाद हल्का व्यायाम करते हैं जिसमें वार्म-अप, स्ट्रेचिंग और कार्डियो शामिल होता है। योग और ध्यान भी उनके रुटीन का हिस्सा है, जो मानसिक शांति और फोकस बनाए रखने में मदद करता है। डाइट की बात करें तो कोहली पूरी तरह शाकाहारी हो चुके हैं और उनकी थाली में प्लांट बेस्ड चीजें ही होती हैं। नाश्ते में एवोकाडो, सलाद और स्प्राउट जैसे हल्के, लेकिन पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थ होते हैं। वे स्वाद से ज्यादा पोषण पर ध्यान देते हैं और ज्यादातर उबला या स्टीम्ड खाना खाते हैं। उनका कहना है कि उन्हें स्वाद से लगाव नहीं है, बल्कि शरीर को जरूरी पोषण देना ही उनका मकसद है। कभी-कभी वे ग्रिल्ड फूड खाते हैं जिसमें जैतून का तेल इस्तेमाल होता है। कोहली पूरी तरह से अनहेल्दी आदतों से दूर रहते हैं। नींद को लेकर भी वे बेहद सतर्क रहते हैं। वे हर रात 8 से 9 घंटे की नींद लेते हैं और गैजेट्स से दूरी बनाकर समय पर सोते हैं। पत्नी अनुष्का शर्मा के मुताबिक, दोनों रात में मोबाइल और स्क्रीन से दूरी बनाकर एक शांत नींद को प्राथमिकता देते हैं। वे न सिगरेट पीते हैं, न शराब को हाथ लगाते हैं। फैटी फूड, डेयरी प्रोडक्ट्स, जंक फूड और शक्कर से पूरी तरह परहेज करते हैं। यहां तक कि वे सब्जियों में भी ग्रेवी नहीं लेते। उनका मानना है कि जितना सिंपल भोजन होगा, शरीर उतना ही बेहतर काम करेगा।

धोनी का संन्यास अभी नहीं! 2026 में भी खेल सकते हैं आईपीएल

नई दिल्ली । महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल और लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं। 43 साल की उम्र में भी वे मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे हैं। हालांकि आईपीएल 2025 का सीजन उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खास अच्छा नहीं रहा। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और खुद धोनी का प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ने लगी थी कि क्या यह धोनी का आखिरी सीजन है और क्या वे अब हमेशा के लिए क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। लेकिन एक नई रिपोर्ट ने उनके फैंस के लिए बड़ी राहत की खबर दी है।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े सूत्रों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। टीम के

भीतर कई ऐसी चीजें हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए धोनी की अनुभव और नेतृत्व की जरूरत है। यही वजह है कि फ्रेंचाइजी के लोग मानते हैं कि अगर धोनी की फिटनेस ने उनका साथ दिया, तो वह आईपीएल 2026 में भी येलो जर्सी में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि धोनी का मार्गदर्शन टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम है और अभी भी उनकी उपस्थिति ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास भरती है।

धोनी से जब एक मुकाबले के बाद पूछा गया कि क्या आईपीएल 2025 उनका आखिरी सीजन होगा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि इस पर वे कुछ समय बाद फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका खेलना पूरी तरह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। धोनी का यह बयान भी इस ओर इशारा करता है कि वे अभी अपने रिटायरमेंट को लेकर जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते।

भले ही इस सीजन में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा हो, लेकिन फैंस का धोनी के प्रति प्यार कम नहीं हुआ है। वे अब भी धोनी को मैदान पर खेलते हुए देखना चाहते हैं और यही समर्थन शायद धोनी को एक और सीजन तक मैदान पर बनाए रखे। ऐसे में अब सबकी नजरें धोनी के अगले कदम पर टिकी हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो ह्यथालाह्व अगले साल भी मैदान में कमाल करते नजर आ सकते हैं।

227 सवार लोगों से भरा मैक्सिकन नौसेना का जहाज ब्रुकलिन ब्रिज से टकराया,19 घायल

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क शहर में शनिवार को एक बड़ा हादसा होते होते बच गया। ये हादसा उस वक्त हुआ जब मैक्सिकन नौसेना का जहाज निकल रहा था तभी ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। इस जहाज में कुल 227 लोग सवार थे जिसमें से 19 लोग घायल हो गए, जबकि 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की पुष्टि न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने एक प्रेस ब्रीफिंग में की है। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात 8:26 बजे हुई, जब जहाज ब्रुकलिन ब्रिज के नीचे से गुजरने का प्रयास कर रहा था। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, दुर्घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक सभी घायलों की पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन सभी चोटें जहाज पर सवार लोगों को ही आई हैं। हादसे की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। टक्कर के समय जहाज के ऊपरी हिस्से पर कई सफेद ड्रेस में नाविक मौजूद थे, जो टक्कर लगते ही नीचे गिरने लगे। कुछ ने मस्तूल को पकड़कर गिरने से बचने की कोशिश की। घटनास्थल पर मौजूद लोग भी डर के मारे इधर-उधर भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हादसे के ठीक पहले के क्षण कैद हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जहाज ब्रिज के काफी नजदीक पहुंच जाता है और उसके 147 फीट ऊंचे दो मस्तूल पुल से टकरा जाते हैं। जहाज रोशनी से सजा हुआ था और उसपर अधिकतर कैडेट सवार थे।

सेक्स और ड्रग्स के बहाने ब्लैकमेलर के चंगुल में फंसे एलन मस्क

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सलाहकार एलन मस्क की जिंदगी में रूस की खुफिया एजेंसी की घुसपैठ की रिपोर्ट सामने आई है। पूर्व एफबीआई एजेंट ने दावा किया है कि रूसी खुफिया एजेंसियां मस्क की सेक्स और ड्रग्स की आदतों का इस्तेमाल कर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की। उसने यह भी दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को इस साजिश का पूरा पता था। जर्मन प्रसारक जेडीएफ द्वारा प्रसारित एक डॉक्यूमेंटरी में पूर्व एफबीआई काउंटरइंटेलिजेंस एजेंट जोनाथन बुमा ने दावा किया कि रूसी खुफिया एजेंसियों ने अरबपति एलन मस्क को सेक्स और ड्रग्स के शौक का फायदा उठाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद मस्क और पेटीएम के सह-संस्थापक पीटर थिएल पर रूसी जासूसों की नजर

थी।

क्या मस्क को टारगेट किया गया?

बुमा के अनुसार, रूसी एजेंटों ने मस्क की यौन और नशीली दवाओं की लत, खासकर केतामाइन के इस्तेमाल को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि मस्क का बर्निंग मैन जैसे इवेंट्स, एडल्ट इंटरटेनमेंट और जुए में दिलचस्पी उन्हें ऐसी जासूसी कोशिशों के प्रति संवेदनशील बनाती है। बुमा ने दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस ऑपरेशन के बारे में जानते थे। उन्होंने कहा, अगर रूसी राष्ट्रपति को इसकी जानकारी नहीं होती और उनकी मंजूरी नहीं मिलती, तो एजेंट इस तरह की ब्लैकमेल योजना में शामिल नहीं होते। हालांकि, बुमा ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह जानकारी कहां से मिली।

रांची व बोकारो से एक साथ प्रकाशित
झारखंड न्यूजलाइन
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार 18 मई 2025

क्या आप जानते हैं डायनिंग टेबल मैनर्स

अक्सर बहुत से लोगों के एक साथ लंच या डिनर पर जाने के मौके आते रहते हैं। कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें महीने के बहुत से दिन इस तरह के सामुहिक लंच और डिनर पर जाना होता है। खाना बेहतरीन स्वाद का हो तो क्या कहने। लंच और डिनर को बहुत सी चीजें खास बनाती हैं जिनमें जगह, वातावरण, आसपास के लोग और सबसे अधिक महत्वपूर्ण टेबल मैनर्स शामिल हैं। हम सभी खाना सलीके से खाते हैं परंतु क्या आप जानते हैं कि डायनिंग टेबल के कुछ खास मैनर्स होते हैं। जिनके विषय में आप शायद अभी भी अनजान है। हो सकता है खाते वक्त आप कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जिन पर आपका ध्यान नहीं जाता परंतु आप की पीठ पीछे उन गलतियों को लेकर आपका मजाक बनाया जाता रहा है। आज हम आपको बताते हैं डायनिंग टेबल मैनर्स में शामिल ऐसी खास बातें जिन्हें अपनाकर आप सभी की प्रशंसा के पात्र बन सकते हैं। डायनिंग टेबल मैनर्स की शुरूआत टेबल पर पहुंचने के पहले से ही हो जाती है। आप सोचेंगे यह कैसे संभव है। जवाब यह है कि जब तक आपके होस्ट इशारा न करें आप बैठे नहीं। बहुत बड़ी संभावना है कि आपके होस्ट ने उनकी सुविधा के हिसाब से सभी के बैठने के लिए एक नियत स्थान तय किया हो और आपके द्वारा अपने हिसाब से बैठ जाने से उनकी बैठक व्यवस्था गड़बड़ा सकती है। ज्यादातर औपचारिक (formal) लंच या डिनर में टेबल पर सभी मेहमानों के नाम लिखे कार्ड रखे जाते हैं। बेहतर होगा कि आप अपने मेजबान को या तो आपके बैठने की जगह बताने दें अथवा यह साफ हो जाने दें कि सभी मेहमान अपनी इच्छानुसार जगह ग्रहण कर सकते हैं। आपको यह ध्यान रखना जरूरी है कि शिष्टता बहुत पसंद की जाती है जिसमें महिलाओं के बाद बैठना भी शामिल है।

कटलरी का इस्तेमाल –

डायनिंग टेबल पर सजा हुआ खाना आंखों को अलग ही आनंद देता है। इसके लिए खास बर्तन इस्तेमाल किए जाते हैं। ऐसे ही मेहमानों को भी शानदार बर्तनों में भोजन परोसा जाता है। यहां मेजबान को पूरे नंबर मिल चुके हैं और अगला नंबर आपका है कि आप यह साबित कर दें कि आप भी उतने ही अच्छे मेहमान हैं।

हम अधिकतर अपने घर में खाते समय छुरी और कांटे का इस्तेमाल नहीं करते हैं। परंतु कहीं बाहर खाते समय आपको छुरी कांटे का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। आपकी पहली समस्या हो सकती है कि आपको यह न पता हो कि छुरी और कांटे के इस्तेमाल के लिए किस हाथ का इस्तेमाल किया जाए परंतु दोनों ही चीजों को पकड़ने के हाथ तय हैं। अमेरिकन स्टाइल में आपको दाएं हाथ में छुरी और बाएं हाथ में कांटा पकड़ना होता है। दूसरा मुद्दा सामने आता है जब आप पाते हैं कि आपके मेजबान ने छुरी और कांटे की एक बड़ी श्रृंखला आपके लिए रख दें आप उलझकर रह जाएं कि कौन सा वाला किस चीज के काम आता है। इसका आसान तरीका है एक किनारे से शुरूआत करें। आपकी तरफ का पहला छुरी और कांटा आपके पहले कोर्स के लिए उपयुक्त है। अगले व्यजंन भी इसी क्रम में छुरी और कांटे के उपयोग के साथ खाए जाने हैं। एक खास टिप यह है कि आपके लिए जितने छुरी और कांटे रखे गए हैं वह व्यजंन की संख्या भी बताते हैं। यह खासतौर पर उनके लिए लाभदायक है जो आखिरी में सर्व किए जाने वाले मीठे व्यजंन के लिए जगह बचाकर रखना चाहते हैं।

1. स्वीट डिश के लिए चम्मच और कांटा एकदूसरे के समानांतर प्लेट के उपरी हिस्से पर रखे जाते हैं। 2. साइड प्लेट, जिसे ब्रेड और बटर प्लेट भी कहा जाता है, आपके बाएं तरफ होती है। इसके साथ ही सलाद प्लेट रखी जाती है। 3. तरल चीजें जैसे पानी, वाइन, चाय या कॉफी आपकी दाएं तरफ रखी जाती हैं।

4. डायनिंग टेबल मैनर्स (शिष्टाचार) के अनुसार आप मेजबान द्वारा की गई सेटिंग को पहले जैसा ही बनाए रखें । अगर आप पानी या वाइन ग्लास उठाते हैं उसे उसके नियत स्थान पर वापिस ही रखिए। 5. युरोपियन स्टाइल में कांटा दाएं हाथ में और छुरी बाएं हाथ में पकड़ी जाती है। जिसमें छुरी की धार वाला हिस्सा आपकी प्लेट की तरफ होता है।

6. भोजन से एक बाइट काटने के लिए कांटे से सामान को दबा कर रखिए और छुरी से उतना हिस्सा काटिए जितनी बड़ी बाइट आप लेना चाहते हैं। 7.अमेरिकन भोजन को काटने में कांटे और छुरी का उपयोग करते हैं। छुरी के उपयोग के बाद इसे अपनी प्लेट में रखिए और कांटे से बाइट मुंह में डालिए। 8. आपकी तर्जनी उंगली से डाला गया दबाव ही बाइट काटने के लिए काफी होता है। 9. आपकी छुरी को खाने पर आगे पीछे करने का मतलब है आपने खाने पर सही दबाव नहीं डाला है। 10. भोजन की बाइट को छोटा रखने की कोशिश कीजिए। आप मुंह में ज्यादा ठूंस कर खुद को शर्मिंदा नही करना चाहेंगे। 11. खाना खाते वक्त जब आप एक छोटा ब्रेक लेते है आप प्लेट में कांटे को अपने बाएं तरफ तथा छुरी को दांए तरफ रखिए जिससे ये दोनों एकदूसरे को प्लेट में क्रोस करें। 12. अगर आप दूसरी सर्विंग के लिए प्लेट आगे करना चाहते हैं तो कांटे और छुरी को एकदूसरे के साथ समानांतर रखकर प्लेट में और खाने के लिए जगह बनाएं। 13. खाने की समाप्ति पर आप छुरी और कांटे को एकदूसरे के समानांतर प्लेट में तिरछा रखें। दोनों के नीचले हिस्से आपकी तरफ होना चाहिए।

1. नैपकिन इस्तेमाल का सही तरीका है जैसे ही आप डायनिंग टेबल पर अपनी जगह पर बैठें अपनी गोद में नैपकिन रख लें। अपने मेजबान के बाद बैठना और नेपकिन रखना सबसे सही तरीका होगा। 2. अगर आपको दिया गया नैपकिन आकार में छोटा है तो आप इसे पूरी तरह से फैला कर गोद में रखें। नैपकिन का आकार बड़ा होने पर इसे आधा करके रखिए।

dining hall decoration

3. नैपकिन का इस्तेमाल आराम से अपने होंठ को साफ करने में कीजिए। याद रखिए यह तौलिया नहीं हैं जिससे आप अपना चेहरा पोंछ ले या नाक साफ करें। 4. अगर आप भोजन के बीच में किसी जरूरी काम से उठ रहे हैं अपनी कुर्सी पर नैपकिन रख कर जाएं। यह दिखाता है आप जल्दी ही वापस आएंगे। 5. खाने के अंत में नैपकिन को टेबल में अपनी दांए तरफ रख दीजिए। नैपकिन को पहाड़ जैसे आकार का बनाकर मत छोड़िए।

1. मुंह में खाना होते हुए कभी बात मत कीजिए। 2. अगर आप कांटे से चावल नही खा पा रहे हैं चम्मच मांगने में मत झिझकिए। 3. डायनिंग टेबल पर धूम्रपान की इजाजत मत मांगिए। बल्कि धूम्रपान बिल्कुल भी मत कीजिए। सिर्फ एक स्थिति में धूम्रपान किया जा सकता है जब यह मेजबान खुद यह शुरू करे।

4. डायनिंग टेबल पर मोबाइल का किसी भी रूप में उपयोग शिष्टाचार नियमों के विरूद्ध माना जाता है। संदेश भेजना, कॉल रिसीव करना या गाने बजना सभी वर्जित हैं जब तक आवश्यकता बहुत गहरी हो। 5. अगर गलती से आप कांटा, चम्मच या छुरी गिर जाती है उसे उठाने के लिए तुरंत मत झुकिए बल्कि दूसरे चम्मच की मांग कीजिए। 6. अपनी कोहनियों को खाना खाते वक्त टेबल पर मत रखिए। जब आप कटलरी का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं अपने हाथ अपनी गोद में रखिए। 7. ऐसा खाने से बचिए जिसमें आपकी उंगलियां गंदी होती हैं। अथवा कांटे का उपयोग कीजिए जिससे उंगलियां साफ रहें। 8. तरफ डिश खाते समय मुंह से आवाज मत निकालिए। अगर कोई डिश अधिक गर्म है उसके ठंडे होने का इंतजार कीजिए। खुद फूंक मारकर उसे ठंडा मत कीजिए। 9. अगर आप मक्खन ब्रेड खाना चाहते हैं तो ब्रेड को उठाकर अपनी साइड प्लेट में रखिए। छुरी की सहायता से इस पर मक्खन फैला लीजिए और फिर इसे कांटे की सहायता से उठाइए। ब्रेड को हाथ में पकड़े हुए मक्खन नहीं लगाना चाहिए। 10. अगर कोई चीज आप से दूर रखी है जिस तक पहुंचना मुश्किल है तो दूसरों की प्लेट पर झुककर इसे उठाने के बदले किसी अन्य से इसे आप को देने का आग्रह करें। आपकी डायनिंग मैनर्स की ट्रेनिंग यहां पूरी हो चुकी है। हमें यकीन है अब आप अगले डिनर के साथ भरपूर प्रशंसा बटोरेंगे। भले ही लोग आपके सामने आपसे कुछ न कहें पर हकीकत यह है कि आपकी तारीफ जरूर की जाएगी।

झलके खूबसूरती

अगर आप भी अपने बाथरूम को लग्जरी टच देना चाहते हैं तो इन दिनों बाजार में ऐसी एक्सेसरीज की कोई कमी नहीं। बेहतरीन कलर कॉम्बिनेशन और बाथ टब के अलावा खूबसूरत लाइटिंग के जरिये बाथरूम की रंगत निखारी जा सकती है और इसे मॉडर्न लुक दिया जा सकता है.. वक्त के साथ जहां घर के लिविंग रूम और डाइनिंग स्पेस का इंटीरियर बदला है तो वहीं किचन और बाथरूम जैसे हिस्सों में भी कई नए प्रयोग देखने को मिले हैं। किचन अब जहां मॉड्यूलर रूप अख्तियार कर चुका है तो वहीं बाथरूम भी थीम डिजाइनिंग के साथ नए रूप में उभर रहा है। यही नहीं बाजार में वेरायटी भरे प्रोडक्ट्स भी दिखने लगे हैं। आइये डालते हैं एक नजर

इस्तेमाल ग्लास का

लग्जरी बाथरूम के लिए ग्लास एक परफेक्ट थीम हो सकता है। यह न सिर्फ आपके व्यू को ब्लॉक होने से बचाता है बल्कि छोटे बाथरूम को स्पेशियस भी तिदखाता है। इसके लिए ग्लास मेटीरियल में ही बेसिन, कुसी और शॉवर स्टॉल या पार्टीशन को बाथरूम में जगह देनी चाहिए। खिड़कियों और काउंटरटॉप्स के लिए फ्रॉस्टेड ग्लास का विकल्प बढ़िया है। ग्लास थीम हो तो टिंटेड ग्लास का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसमें ज्यादा से ज्यादा एक से दो रंगों का इस्तेमाल एक समय पर संभव है।

क्लासिक वुड

बाथरूम को रिच लुक देने के लिए वुडेन डेकोर काफी पॉपुलर है। वुडन शेल्फ रिलेक्सिंग स्टूल के जरिये इसकी खूबसूरती और बढ़ाई जा सकती है। साथ ही वुडन फिनिश का बाथटब और शॉबर पैनल इसके लुक को और बेहतर बना देंगे।

कलर थीम हो ऐसी

सिंपल लिविंग ऐंड हाई थिंकिंग में विश्वास रखते हैं तो आप अपने बाथरूम फिकसचर्स को एक रंग में रखते हुए दीवारों को रॉयल रंगों में पेंट करा सकते हैं। इसे लग्जरी लुक देने के लिए आप इसमें कैंडल्स, फवर्स और इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। एक बात का ख्याल रखें कि कलर थीम में ज्यादा एक्सपेरिमेंट न करें। थीम से आगे बढ़ते हुए लग्जरी प्रोडक्ट्स कील बात कर हैं। बाजार में कंटेम्परेरी स्टाइल लिए कई प्रोक्ट मौजूद हैं। इनकी रेंज टेंपरेचर मेंटने करने वाले क्यूबिक शॉवर सिस्टम से लेकर बाथ टब और एक्सेसरीज में लेदर प्रोडक्ट्स से लेकर ग्लास के टंबलर और सोप सिस्पेंसर तक फैली हुई है।

स्टीम रूम

लाइट म्यूजिक के साथ डिम लाइट में शावर और दिनभर की थकान दूर करने के लिए स्टीम बाथ के लिए स्टीम कम शावर रूम का ऑप्शन बढ़िया है। बाथरूम में यह काफी कम जगह में फिट हो जाता है। टू इन वन का काम करने वाले इस रूम में शावर पैनल की सुविधा होती है, जिसमें आप हेड शावर से लेकर बॉडी स्प्रे का मजा ले सकते हैं। साथ ही इसमें स्टीम बाथ के लिए परफेक्ट बॉडी टेम्परेचर और अरोमा थेरपी की सुविधा भी शामिल है। बेसिक सुविधाओं के अलावा इसकी हाईएंड रेंज में टेलीफोन व रेडियो-सीडी इनपुट सिस्टम की सुविधा भी शामिल की गई है।

बाथ टब

आज बाजर में बॉडी की मसाज करने वाले जकूजी आसानी से उपलब्ध हैं। यही नहीं दो से तीन लोगों के लिए जकूजी आराम से मिल जाता हैं। इसके अलावा फ्री स्टेंडिंग और स्पा स्पेशल बाथ टब्स भी उपलब्ध हैं। अगर आप अपने बाथरूम को वुडन थीम देने जा रहे हैं तो उसके साथ फ्री स्टेंडिंग बाथ टब बढ़िया रहेगा।

एक्सेसरीज

फिक्सचर्स के बाद अगर बाथरूम को सबसे ज्यादा कोई चीज लग्जरी टच दे सकती है तो वह है एक्सेसरी। अपनी स्पेस और पसंद के मुताबिक आप ग्लास लेदर या फिर फाइबर बेस्ड मेटीरयिल एक्सेसरीज को बाथरूम में सजा सकते हैं। बाथरूम को मेटैलिक लुक देने के लिए लेदन में बांज, ब्राउन में सिल्वर मल्टी यूटिलिटी बॉक्सेस का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। बॉथरूम को नया रूप रंग देने के लिए मौजूदा समय में एक्सेसरीज और प्रोडक्ट्स की कोई कमी नहीं है। जरूरत बस इतनी है कि आप क्या पसंद करते हैं और आपकी जरूरत क्या है।

बेडरूम में इन बातों का रखें ध्यान

बेडरूम घर का ऐसा हिस्सा है, जिसका नाम लेते ही जेहन में आराम की इच्छा और एक सुखद नींद की परिकल्पना उभरती है। प्राइवेसी से भरे-पूरे इस हिस्से में आपको पूरा आराम मिल सके इसके लिए कुछ बातों पर विचार किया जा सकता है-

- बेडरूम में कोशिश यही करनी चाहिए कि आपके बेड का मुंह उलर-पूर्व दिशा की ओर हों।
- बेडरूम में अलमारी, सोफा आदि को दक्षिण-पश्चिम दिशा की दीवार की तरफ रखा जा सकता है। जबकि ड्रेसिग टेबल के लिए उलर या फिर पूर्व की दिशा बेहतर मानी जाती है।
- वैसे यह भी माना जाता है कि ड्रेसिंग टेलब या फिर आलमारी यदि शीशा लगा हो तो इन्हें कुछ इस तरह रखा जाए कि बेड पर सोने वालों का प्रतिबिंब इनमें न दिखाई दे। ऐसा होने से दांपत्य जीवन में कठिनाइयां आती हैं।
- अगर आप नया घर बनवा रहे हों और चाहते हैं कि बेडरूम के साथ अटैच्ड बॉथरूम की भी व्यवस्था हो तो इसे कमरे की उलर-पश्चिमी दिशा की ओर बनवा सकते हैं।
- बेडरूम में मद्धिम रोशनी की व्यवस्था जरूर रखनी चाहिए। यदि आपको नींद न आ रही हो या फिर कुछ देर जगने का इरादा हो तो नाइट लैंप इस लिहाज से अच्छा विकल्प माना जा सकता है।
- बेडरूम में टेलीविजन का साथ नींद में खलल डाल सकता है। ऐसे में इसे लिविंग रूम में ही रखना बेहतर रहेगा।
- बेडरूम की खूबसूरती बढ़ाने के लिए ताजे फूलों का गुलदस्ता रखा जा सकता है। इसके अलावा बेड की साइड टेबल्स पर नाइट लैंप की व्यवस्था भी कर सकते हैं।

रांची व बोकारो से एक साथ प्रकाशित
झारखंड न्यूजलाइन
सांध्य दैनिक
रांची, रविवार 18 मई 2025

17 साल पहले बनीं इंटरनेशनल क्रश, 'जन्नत गर्ल' के नाम से हुईं मशहूर, अब कहां हैं

सोनल चौहान

आज से 17 साल पहले 2008 में एक फिल्म आई, जो सट्टे पर आधारित थी, लेकिन उसमें एक लव स्टोरी भी दिखाई गई. फिल्म का नाम 'जन्नत'. ये फिल्म इमरान हाशमी की थी लेकिन इसमें लीड एक्ट्रेस सोनल चौहान थीं, जो रातों-रात नेशनल क्रश बनकर फेमस हो गई थीं. उन्हें 'जन्नत गर्ल' कहा जाने लगा था. सोनल चौहान ने इसके बाद कई फिल्में की, लेकिन उन्हें आज भी 'जन्नत' के लिए ही जाना जाता है.

सोनल चौहान ने बतौर मॉडल करियर की शुरुआत की थी और सबसे पहले ये हिमेश रेशमिया के म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं. सोनल चौहान की डेब्यू फिल्म कौन सी थी और आजकल ये क्या कर रही हैं, आइए जानते हैं.

सोनल चौहान का फिल्मी करियर

16 मई 2008 को सोनल चौहान का जन्म दिल्ली में हुआ था. सोनल ने नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई की और दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से फिलॉसफी सबजेक्ट में पोस्ट ग्रेजुएशन किया. सोनल चौहान ने 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब जीता था. सोनल पहली बार हिमेश रेशमिया के गाने 'समझो ना' में बतौर एक्ट्रेस नजर आई थीं.

सोनल चौहान की डेब्यू बॉलीवुड फिल्म 'जन्नत' थी, जो सुपरहिट हुई. इस फिल्म के गाने खूब पॉपुलर हुए थे और आज भी सोनल को 'जन्नत गर्ल' के नाम से पुकारा जाता है. बॉलीवुड फिल्मों के अलावा सोनल ने साउथ सिनेमा की भी कुछ फिल्में की, जो सफल रहीं. पिछली बार सोनल फिल्म 'आदिपुरुष' (2023) में नजर आई थीं, जिसमें इन्होंने मंदोदरी का रोल प्ले किया था. सोनल ने 'बुड्ढा होगा तेरा बाप', 'लेजेंड', 'अ किलर कनेक्शन', 'डिडेक्टर', 'द घोस्ट', 'जैक एंड दिल' जैसी फिल्मों में काम किया है.

आजकल क्या कर रही हैं सोनल चौहान ?

सोनल चौहान ने 21 अप्रैल को अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं जब वो आईपीएल में मुंबई इंडियंस टीम को सपोर्ट करती नजर आईं. इसके अलावा उनकी किसी फिल्म की कोई जानकारी फिलहाल नहीं है. सोनल इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां उन्हें 8.1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. सोनल चौहान ने ढेरों फिल्में की हैं, लेकिन आज भी उन्हें फिल्म 'जन्नत' के लिए ही याद किया जाता है और उनकी खूबसूरती की तारीफ आज भी फैंस उनके पोस्ट पर करते हैं.

नई नवेली दुल्हन संग तुर्की में हनीमून मनाने वाला था ये एक्टर, कश्मीर की वादियों में घूमने का भी था प्लान

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जब भारत पड़ोसी देश पाकिस्तान को खदेड़ रहा था तो तुर्की पाक की मदद कर रहा था. ऐसे में भारत ने तुर्की को भी सबक सिखाने का मन बनाया. सभी क्षेत्रों से भारतीय तुर्की का बायकॉट कर रहे हैं. इंडियन फिल्म इंडस्ट्री ने भी तुर्की में भारतीय फिल्मों और शो की शूटिंग पर बैन लगा दिया है. जबकि, अब टीवी एक्टर सिद्धांत इस्सर ने तुर्की में अपना हनीमून कैंसिल कर दिया है. वहीं वो अप्रैल में कश्मीर भी घूमने के लिए जाने वाले थे, लेकिन उनकी ये प्लानिंग भी पहलगाम आतंकी घटना के चलते टल गई.सिद्धांत इस्सर बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता और महाभारत में दुर्योधन के किरदार में नजर आए पुनीत इस्सर के बेटे हैं. हाल ही में उन्होंने एक्ट्रेस सुरभि शुक्ला से शादी की थी. दोनों 21 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधे थे. न्यूली वेड कपल तुर्की में हनीमून मनाने जा रहा था, हालांकि अब उन्होंने देश के साथ खड़े होकर तुर्की में हनीमून मनाने का ख्याल छोड़ दिया और तुर्की की यात्रा कैंसिल कर दी. फिलहाल वो सुरभि के साथ गोवा में अपने घर पर हैं. जल्द ही अभिनेता मुंबई लौटेंगे और फैमिली के साथ अपना बर्थडे भी सेलिब्रेट करेंगे.

सिद्धांत ने कैंसिल किया तुर्की में हनीमून

सिद्धांत ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा, हम 23 अप्रैल को कश्मीर जाने वाले थे. फिर दो मई को मुंबई में अपने रिसेप्शन के लिए वापस आने वाले थे, मई में तुर्की भी जाना था. लेकिन, कश्मीर तुरंत चार्ट से बाहर हो गया और यहां तक कि तुर्की भी अब चार्ट से बाहर हो चुका है.

गोवा में बिता रहे वक्त, ग्रीस जाने का है प्लान

इन दिनों सिद्धांत और सुरभि गोवा में है. उन्होंने बताया कि गोवा में उनके पास 15 सालों से फैमिली होम है. सिद्धांत ने कहा, हम यहां छोटा हनीमून मना रहे हैं. हमारा असली हनीमून अभी भी बाकी है. हम यहां 15 दिनों से हैं और हम 19 मई को मेरे बर्थडे पर मुंबई वापस जाएंगे और परिवार के साथ इसे सेलिब्रेट करेंगे. उन्होंने आगे ये भी कहा कि तुर्की का हनीमून प्लान कैंसिल होने के बाद वो ग्रीस में हनमीमून प्लान कर रहे हैं.

85 करोड़ की फिल्म ने जब कूटे 800 करोड़, 11 साल पहले आया था आमिर खान का बवंडर

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता आमिर खान जल्द ही फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आने वाले हैं. लंबे समय बाद पर्दे पर उनकी वापसी हो रही है. आमिर खान बॉलीवुड के एक ऐसे अभिनेता हैं जिनकी फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है. आमिर कम फिल्में करते हैं, लेकिन जब बॉक्स ऑफिस पर आते हैं तो छा जाते हैं. अपने करियर में आमिर ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. उनकी फिल्मों को देखने के लिए फैंस का हुजूम उमड़ पड़ता है.आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लाइन लंबी है. आज हम आपको उनकी 11 साल पहले आई एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहे हैं जिसने बॉक्स ऑफिस पर गजब की सफलता हासिल की थी. इसका बजट सिर्फ 85 करोड़ रुपये था,लेकिन बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म बजट से 9 गुना से भी ज्यादा कमाई करने में कामयाब हुई थी. चलिए जान लेते हैं कि एक दशक पहले आई ये फिल्म कौन सी है जिसने न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ नोट बटोरे थे और ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई.

85 करोड़ में बनी थी 'पीके'

जिस फिल्म की यहां बात हो रही है उसका नाम है क्या. 'पीके' न सिर्फ आमिर की बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक है. इस फिल्म ने विवादों के बीच भी फैंस का दिल जीता था. 'पीके' 19 दिसंबर 2014 को रिलीज हुई थी.

आमिर का साथ दिया था फिल्म में एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने. इस पिक्चर का हिस्सा बोमन ईरानी, सौरभ शुक्ला और परीक्षित साहनी, सुशांत सिंह राजपूत जैसे कलाकार भी थे. 'पीके' राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी थी, जिस पर मेकर्स ने 85 करोड़ रुपये की रकम खर्च की थी.

कमा डाले थे 800 करोड़

'पीके' ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी. इंडियन बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 26.63 करोड़, दूसरे दिन 30.34 करोड़ और तीसरे दिन 38.44 करोड़ कमाकर ये पिक्चर खुद को साबित कर चुकी थी. चार दिनों में 100 करोड़ से ज्यादा कमाने वाली 'पीके' ने भारत में टोटल 340 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं वर्ल्डवाइड इसने 792 करोड़ रुपये की कमाई की और ये पिक्चर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई.

डेढ़ महीने में सनम जौहर ने छोड़ा शो,

भाविका शर्मा

की हुई वापसी!

स्टार प्लस का मशहूर सीरियल 'गुम है किसी के प्यार' में दर्शकों के बीच काफी पसंद किया जाता है. जल्द ही टीवी के इस पॉप्युलर टीवी सीरियल में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा. इस बदलाव के चलते 'गुम है किसी के प्यार' में अहम किरदार सनम जौहर अब इस सीरियल का हिस्सा नहीं रहेंगे. उन्होंने इस शो को अलविदा कह दिया है. लगभग डेढ़ मैंने पहले शो में आए हुए लीप के बाद फैंस थोड़े निराश हो गए हैं. हालांकि, सनम की एग्जिट के बाद सीरियल में एक और बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. खबर है कि एक्ट्रेस भाविका शर्मा, जिन्होंने पहले भी इस शो में काम किया था, उनकी इस शो में दोबारा एंट्री होने जा रही है. भाविका के वापस आने से कहानी में नया मोड़ आने की उम्मीद है.

अलग अंदाज में नजर आएंगी भाविका

भाविका शर्मा के किरदार को दर्शकों ने पहले भी पसंद किया था और उनकी वापसी से शो को नई एनर्जी मिल सकती है. भाविका इस बार पूरी तरह से अला अंदाज में नजर आने वाली हैं. निश्चित रूप से दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगा. अब देखना ये है कि ये बदलाव शो की टीआरपी पर क्या असर डालते हैं और कहानी किस दिशा में आगे बढ़ती है.

टीवी शो में चल रहा है लीप का ट्रेंड

सिर्फ 'गुम है किसी के प्यार' में ही नहीं बल्कि इस महीने कई टॉप टीवी शो में बड़े लीप देखने मिलने वाले हैं. रुपाली गांगुली का सीरियल 'अनुपमा' भी जल्द ही कुछ साल आगे जाने वाला है. अनुपमा के अलावा 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में भी अब 5 -6 साल का लीप देखने मिलेगा. भाग्यलक्ष्मी और झनक में भी जल्द जेनरेशन लीप देखने मिल सकता है.

सनम जौहर की इस में एंट्री हुई थी.'गुम है किसी के प्यार' में सनम जौहर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे, उनके इस तरह से अचानक शो छोड़ने से उनके

RNI(JHAHIN/2007/21993) स्वत्वधिकारी, कुसूम कुमारी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार द्वारा जे.एस.एस.सी. रोड टी गार्डेन पी.ओ. व थाना नामकुम, जिला -रांची 834010, झारखंड से प्रकाशित एवं एस.एच. प्रिन्टर्स प्रा. लि., काठिटांड (नियर टेण्डर बगीचा) रातू, रांची-835222, झारखंड से मुद्रित। संपादक : राकेश कुमार, विज्ञापन एवं प्रसार-9031133553 कार्यालय : 9431739847, किसी भी प्रकार के विवाद में न्यायिक क्षेत्र रांची होगा। (* पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)